हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:19 ■ नई दिल्ली 14 से 20 फरवरी 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है...

एक नजर

यूएसएड पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के यूएसएड को खत्म करने की इन दिनों बड़ी चर्चा है और भारत के सरकारी तथा निजी संगठनों को इससे मदद मिलती रही है, इसलिए सरकार को इस बारे में श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि यूएसएड इन दिनों काफी चर्चा में है। देश के सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं को इससे पिछले छह दशकों से मदद मिलती रही है, इसलिए इस बारे में विस्तृत विवरण देने के लिए सरकार को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

उन्होंने कहा,"इसकी स्थापना तीन नवंबर 1961 को हुई थी। वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए जा रहे दावे कम से कम कहने के लिए तो बेतुके हैं। फिर भी,भारत सरकार को जल्द से जल्द एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए, जिसमें दशकों से यूएसएड द्वारा सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों को दिए गए समर्थन का विस्तृत विवरण हो।"

भारत-बंगलादेश के सीमा बल गश्त बढायेंगे, शांति के लिए मिलकर काम करेंगे

नई दिल्ली। भारत और बंगलादेश के सीमा प्रहरियों ने भारतीयों बलों पर बंगलादेशी आपराधिक तत्वों के हमलों को गंभीरता से लेते हुए संवेदनशील क्षेत्रों में देर रात से सुबह तक समन्वित गश्त बढाने, सतर्कता बढाने और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता को दोहराया है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 55वें महानिदेशक स्तरीय सीमा समन्वय सम्मेलन में गुरूवार को यह सहमति बनी। अगला सम्मेलन आगामी जुलाई में ढाका में होगा।

बैठक में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के मुद्दों पर चर्चा की और सभी स्तरों पर निरंतर, रचनात्मक और सकारात्मक बातचीत के माध्यम से मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दोनों ही पक्ष, सम्मेलन के निर्णयों को सच्ची भावना से जमीनी स्तर पर लागू करने पर सहमत हुए। दोनों देशों के रिश्तों को और प्रगाढ़ करने तथा सौहार्द के उच्चतम स्तर को बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों बल के महानिदेशकों ने संयुक्त रूप से निर्णय लिया कि बांग्लादेशी अपराधियों और उपद्रवियों द्वारा सीमा सुरक्षा बल सदस्यों पर हमले की घटनाओं पर, दोनों पक्ष विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में समन्वित गश्त बढ़ाने (देर रात से सुबह के समय) को राजी हुए। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा के उल्लंघन के संबंध में सीमावर्ती आबादी को जागरूक करने का भी निर्णय लिया ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। इसके अलावा मानवाधिकारों के अनुपालन और सीमावर्ती हिंसा को रोकने के लिए सहक्रियात्मक प्रयासों की आवश्यकता को दोहराते हुए, दोनों पक्ष संयुक्त गश्त, सतर्कता बढ़ाने, सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम को तेज करने, उचित सामाजिक-आर्थिक विकास कार्यक्रम शुरू करने और वास्तविक सामयिक सूचनाओं को साझा करने के लिए अत्यधिक तालमेल के साथ मिलकर काम करने पर भी सहमत हुए जिससे कि बिना किसी जनहानि के, प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। इस परिप्रेक्ष्य में सीमा सुरक्षा बल भारत-बांग्लादेश सीमा पर पहले से ही गैर घातक हथियारों के उपयोग की नीति अपनाए हुए है।

दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा सरकार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ 6 मंत्रियों ने भी ली शपथ

नई दिल्ली। छात्र राजनीति से मुख्य धारा की राजनीति में आयीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पुरानी कार्यकर्ता रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार की बागडोर संभाली।

दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के शीर्ष नेताओं की उपस्थिति में उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने श्रीमती गुप्ता और उनके सहयोगी मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्रीमती गुप्ता शालीमार बाग से भाजपा की विधायक चुनी गयी हैं।

श्रीमती गुप्ता के बाद क्रमशः नई दिल्ली विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराकर विधायक बने प्रवेश साहिब सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद सर्वश्री आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, कपिल मिश्रा और पंकज कुमार सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली।

रामलीला मैदान में तीन मंच सजे थे। बांये मंच पर विभिन्न धर्मों के धर्म गुरु और कई प्रमुख संत विराजमान थे। बीच के मंच पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को शपथ दिलाने की व्यवस्था की गयी थी और इस मंच पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मोदी मंत्रिमंडल में शामिल अन्य मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा और राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री उपस्थित थे।

मंच पर असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्व शर्मा, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे और अजीत पवार, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा ब्रजेश पाठक, बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पूर्वोत्तर के नेतागण दिल्ली के सभी सांसद, महापौर तथा केन्द्रीय मंत्री एवं जनता दल यूनाइटेड के नेता राजीव रंजन सिंह ऊर्फ ललन सिंह उपस्थित थे।

दिल्ली को उसका हक दिलाना सभी 48 विधायकों की जिम्मेदारी : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। रेखा गुप्ता आज दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरूआत हो जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह से पहले रेखा गुप्ता ने कहा, यह सभी 48 विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि दिल्ली को वह मिले जिसकी वह वास्तव में हकदार है। देश की राजधानी होने के नाते दिल्ली को न केवल सुशासन मिलना चाहिए, बल्कि भारत में नंबर एक शहर के रूप में भी उभरना चाहिए। रेखा गुप्ता ने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली की जनता से जो भी वादे किए हैं, उन्हें हर कीमत पर पूरा किया जाएगा उन्होंने महिलाओं के कल्याण पर अपनी पार्टी के फोकस को भी दोहराया। रेखा ने कहा, हमने अपनी बहनों से जो वादा किया था, उसे पूरा किया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में जाने से पहले रेखा गुप्ता ने आशीर्वाद लेने के लिए मरघट हनुमान बाबा मंदिर का दौरा किया। इससे पहले, उन्होंने एक बयान में कहा कि पिछले 12 वर्षों में भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने शालीमार बाग स्थित अपने आवास के बाहर गुरुवार को पत्रकारों से कहा, पिछले 12 वर्षों से आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली पर शासन किया है।

कांग्रेस नेता ने की रेखा गुप्ता की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कांग्रेस के लोग भी तारीफ कर रहे हैं। रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा होते ही जहां उनकी पार्टी और परिवार में जश्न शुरू हो गया तो विपक्षी दलों के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। दिल्ली को एक और महिला सीएम मिलने पर जहां आतिशी मालेर्ना ने खुशी जाहिर की तो दूसरी तरफ कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी उनकी तारीफ की है। रेखा गुप्ता को सीएम बनाए जाने की घोषणा के तुरंत बाद अलका लांबा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जो वायरल हो गया।

विश्वास है, रेखा गुप्ता दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्वास जताया है कि दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने विस्तृत अनुभव के साथ केंद्र शासित प्रदेश के विकास के लिए पूरी शक्ति से काम करेंगी। श्री मोदी ने श्रीमती गुप्ता (50) को मुख्यमंत्री बनने की बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर लिखा, ह्लश्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वह जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, राज्य संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक के साथ-साथ मुख्यमंत्री भी हैं। मुझे विश्वास है कि वह दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं ह्ल श्रीमती रेखा गुप्ता को आज मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गयी। वह दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित शपथ ग्रणह समारोह में प्रधानमंत्री श्री मोदी भी उपस्थित थे।

रेखा गुप्ता को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा मिली

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दिल्ली पुलिस ने ह्यजेडह्न श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की 'येलो बुक' में उल्लिखित सुरक्षा दिशानिदेर्शों के अनुसार मुख्यमंत्री को यह सुरक्षा दी गई है। येलो बुक में विशिष्ट व्यक्तियों और अति-विशिष्ट व्यक्तियों (वीआईपी और वीवीआईपी) के सुरक्षा प्रोटोकॉल का विवरण दिया गया है। 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा के तहत गुप्ता की सुरक्षा में लगभग 22 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे जिनमें निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ), सुरक्षा दस्ते, निगरानी दल के अलावा और लगभग आठ सशस्त्र गार्ड शामिल होंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह सुरक्षा आमतौर पर शीर्ष स्तरीय राजनीतिक हस्तियों को दी जाती है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी को भी उनके कार्यकाल के दौरान जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई थी।

'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की चीन नीति अपना रही है सरकार : खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि लाल आंख दिखाने की बात करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर बढ़ रही चीनी गतिविधियों को लेकर चुप्पी साधे हैं और 'लाल आंख की बजाय लाल सलाम' की नीति अपनाई जा रही है।

श्री खरगे ने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए ट्वीट करके कहा, "नरेन्द्र मोदी जी, आप चीन को 'लाल आंख' दिखाने के बजाय 'लाल सलाम' की नीति अपना रहें हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा,भौगोलिक संप्रभुता एवं अखंडता सर्वोपरि है लेकिन मोदी सरकार इसे खतरे में डाल रही है। हमारा आरोप बड़ी ज़िम्मेदारी के साथ और तथ्यों के आधार पर है।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया,"चीन ने अरुणाचल के बॉर्डर पर 90 नए गाँव बसाने शुरू कर दिए हैं, पहले हमारी सीमा पर 628 ऐसे गाँव चीन बसा चुका है, ऐसा समाचार पत्रों का कहना है।

मोदी सरकार सीमा पर 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का खूब प्रचार करती है, संसद में आपने खूब बढ़ा-चढ़ाकर इसका बखान किया है। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो वर्षों में 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' का 90 प्रतिशत फंड खर्च नहीं हुआ है। ये योजना फरवरी 2023 में लॉन्च की गई थी और 4800 करोड़ रुपए आवंटित फंड में से केवल 509 करोड़ रुपए ही खर्च हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश में जहाँ 75 गांव सुधारने हैं, वहाँ केंद्र की मोदी सरकार ने ना के बराबर राशि दी है।"

विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भी नीट यूजी पास करना जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने एमसीआई के नियम को बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को बरकरार रखा है। केंद्र की ओर से 2018 में लाया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि विदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र भारत में मेडिसिन की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करें। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह रेगुलेशन निष्पक्ष व पारदर्शी है और किसी भी वैधानिक प्रावधान या संविधान के खिलाफ नहीं है। अदालत ने कहा कि यह नियम इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 के किसी भी प्रावधान के विपरीत नहीं है और न ही किसी भी तरह से मनमाना या अनुचित है। नीट यूजी पास करने की आवश्यकता ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन, 1997 में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अतिरिक्त है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। बता दें कि वर्ष 2018 से उन भारतीय छात्रों के लिए नीट यूजी पास करना अनिवार्य किया गया है जो विदेश से एमबीबीएस कर भारत में डॉक्टरी करना चाहते हैं। इसके बाद याचिकाकताओं ने एमसीआई के रेगुलेशन को चुनौती देकर तर्क दिया था कि इस प्रावधान को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 में संशोधन किए बिना लाया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मेडिकल काउंसिल के पास एक्ट की धारा 33 के तहत रेगुलेशन पेश करने का अधिकार मिला हुआ था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें रेगुलेशन में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार के लिए छूट देने के लिए भी साफ इंकार किया। पीठ ने कहा, जाहिर सी बात है कि संशोधित रेगुलेशन लागू होने के बाद यदि कोई उम्मीदवार प्राइमरी मेडिकल एजुकेशन लेने के लिए किसी विदेशी संस्थान में एडमिशन लेना चाहता है, तब वे रेगुलेशन से छूट की मांग नहीं कर सकते हैं।

ये रेगुलेशन देश के भीतर डॉक्टरी करने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड निर्धारित करते हैं। यह भारत के बाहर कहीं भी डॉक्टरी करने के उनके अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करता है।

दिल्ली में शपथ ग्रहण के बाद राजग की हुई बैठक

बिहार, बंगाल समेत सभी आगामी चुनाव दृढ़ता के साथ लड़ने का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के बाद इंपीरियल होटल में भाजपा-नीत राजग के घटक दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई। इस दौरान राजग नेताओं ने बिहार और पश्चिम बंगाल समेत सभी आगामी चुनाव दृढ़ता के साथ लड़ने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आश्वासन दिया कि सभी पक्ष एक साथ राजग के बैनर तले चुनाव लड़ेंगे।

इस बैठक में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने आए राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, उपमुख्यमंत्रियों और अन्य घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं ने भी इसमें शिरकत की। इस बैठक में एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी को सभी ने महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली में मिली जीत पर बधाई दी। वहीं दूसरी ओर आगामी बिहार और पश्चिम बंगाल सहित अन्य चुनावों में एकजुटता से लड़ने का आश्वासन दिया।

दोपहर भोज के बाद नेताओं ने एक सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। राजग के घटक दल के नेताओं में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार प्रमुख रूप से शामिल हुए। महाराष्ट्र, राजस्थान और हरियाणा के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। जदयू नेता एवं केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने कहा कि सभी मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और राजग के नेता शपथ ग्रहण समारोह के लिए दिल्ली आए थे। शपथ समारोह के बाद राजग नेताओं की एक बैठक हुई जिसमें सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री को महाराष्ट्र और दिल्ली में भाजपा की जीत के लिए बधाई दी। सभी राजग नेताओं ने सभी आगामी चुनावों जैसे बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए दृढ़ता से लड़ने का फैसला किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को आश्वासन दिया कि सभी पक्ष एक साथ राजग के बैनर के तहत चुनाव लड़ेंगे।

राजग नेताओं ने होटल में जाते और बाहर निकलते हुए दिल्ली में मुख्यमंत्री का पदभार संभालने वाली रेखा गुप्ता और अन्य मंत्रियों को बधाई दी। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह हम सबके लिए एक गर्व और खुशी का विषय है कि एक महिला मुख्यमंत्री बनी हैं।

मायावती साथ देतीं तो भाजपा कभी चुनाव नहीं जीत पाती : राहुल गांधी

रायबरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तो भाजपा कभी नहीं जीत पाती। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ी बात की।

राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम ने नींव रखी। बहनजी ने काम किया। यह मैं भी मानता हूं। मेरा सवाल है, बहन जी (मायावती) आज तक कोई चुनाव ठीक से क्यों नहीं लड़ीं? हम चाहते थे, बहन जी भाजपा के विरोध में हमारे साथ चुनाव लड़ें। लेकिन, मायावती जी किसी न किसी कारण से नहीं लड़ीं। इस बात का हमें काफी दुख है। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तो भाजपा कभी नहीं जीतती। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर के पास सुविधाओं का अभाव था, फिर भी उन्होंने पूरी राजनीतिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। विचारधारा आपकी है, संविधान आपने दिया, मगर जहां भी आप जाते हैं, आपको कुचला जाता है। सबसे पहले आपको समझना होगा। इस देश में हर रोज आपके खिलाफ अत्याचार और आक्रमण हो रहा है। देश के संविधान को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। अंबेडकर जी ने कहा था कि संगठित बनो, शिक्षित बनो और संघर्ष करो। दलित समाज को इसी तरह अपने हक को प्राप्त करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज देश में संविधान की आवाज को दबाया जा रहा है। देश में दलितों की आबादी 15 प्रतिशत है, लेकिन इसके अनुपात में देश की टॉप कंपनियों के मालिक और सीईओ दलित समाज से नहीं हैं। संविधान आपको बराबरी का अधिकार देता है और अब इसे ही खत्म करने की साजिश रची जा रही है। देश के संविधान को बचाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जीएसटी और नोटबंदी कर देश में बेरोजगारी बढ़ाई है।

सहारनपुर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में DLRC एवं DCC की बैठक हुई सम्पन्न

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक आहूत की गई।

डीएम ने जनपद के कम सीडी रेशियो वाले बैंकों पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए सीडी रेशियो बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक को चेतावनी देने के बाद भी कार्यशैली में सुधार न लाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए पुनः उच्चाधिकारियों एवं शासन को डीओ लेटर लिखने की बात कही।

उन्होंने निर्देशित किया कि बैंक शासकीय योजनाओं में ऋण देने में दिलचस्पी दिखाएं। उन्होंने कहा कि सभी बैंक के प्रतिनिधि पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में आएं। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों को निस्तारित करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि सभी बैंक सकारात्मकता से कार्य कर परिणाम देने वाले बनें। सीडी रेशियो को बढ़ाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य योजना तैयार कर कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि बैंकों द्वारा दिए गए छोटे-छोटे ऋण से ही आमजन की आर्थिक समृद्धि आएगी जिससे हम अपने आर्थिक उन्नति के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ शासन की मंशा के अनुरूप लाभार्थियों को दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी बैंकों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से आमजन को जागरूक कर योजनाओं का लाभ बताते हुए आच्छादित किया जाए। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों से योजनाओं के लिए दिए गए आवेदनों में स्वीकृति के उपरांत कम ऋण वितरण पर नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि लोन संबंधी पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल ने निर्देश दिए कि प्रत्येक बैठक में दिए गए निदेशों की अनुपालन आख्या आगामी बैठक में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी स्ट्रीट वेंडरों को क्यू आर कोड उपलब्ध कराकर उन्हें डिजिटल लेनदेन के लिए प्रेरित किया जाए। जिला उद्यान अधिकारी के बैठक से अनुपस्थित रहने तथा विभाग से संबंधित सूचनाओं को समय से उपलब्ध न कराने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

एल डी एम श्री प्रवीण जमुआर ने जिलाधिकारी को आश्वस्त किया कि आपके द्वारा दिए गए निदेशों का अक्षरशः अनुपालन सभी बैंकों द्वारा सुनिश्चित कराया जाएगा।

आर बी आई प्रतिनिधि जगजीत सिंह कालरा ने बताया कि जनपद में 24 से 28 फरवरी तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत सभी बैंकों द्वारा कैम्प आयोजित किए जाएंगे जिसकी मुख्य थीम महिला उत्थान रहेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, डी सी एन आर एल एम इन्द्रपाल सिंह, उपायुक्त उद्योग श्री वी0 के0 कौशल सहित सभी बैंकों के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: बलिया के उभांव पुलिस ने चोरी के एम्प्लीफायर व एक मोबाइल के साथ एक चोर को किया गिरफ्तार

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेशः बलिया उभांव थाना क्षेत्र में लगातार हुई चोरी की घटनाओं में प्रमुख 20/21 जनवरी 2025 की रात में पशुहारी में लगे एसेंड मोबाइल टावर की बैटरी चोरी की क्लस्टर इंचार्ज मुकेश तिवारी द्वारा अज्ञात के खिलाफ दी गई तहरीर के बाद और उभांव थानांतर्गत मलेरा निवासी राम आशीष गोंड़ पुत्र गुलाब चंद्र गोंड़ द्वारा अपने चोरी गए सामान के साथ पहाड़पुर गांव के पास ताल से बबलू पुत्र सुरेश राम निवासी चौकियां मोड़ थाना उभांव जनपद बलिया को पकड़ा और डायल 112 पर सूचना दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बुधवार (19 फरवरी 2025) को राम आशीष गोंड के डीजे मशीन (एम्प्लीफायर) व एक मोबाइल के साथ शातिर चोर बबलू पुत्र सुरेश राम निवासी ग्राम चौकियां मोड़ थाना उभांव, जनपद बलिया को चोरी करके ग्राम पहाड़पुर के ताल में गेहूं के खेत में छुपा था, को सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा सांय 05.30 बजे गिरफ्तार किया गया।

जिसके कब्जे से वादी राम आशीष गोंड़ का चोरी गया डीजे मशीन (एम्प्लीफायर) व एक मोबाइल बरामद किया गया। जिसके आधार पर उभांव थाने पर बीएनएस की धारा 303(2), 317(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। अभियुक्त की जामा तलाशी में उभांव थाने में पूर्व में पंजीकृत स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमे 21/25 बीएनएस की धारा 303(2) से संबंधित पशुहारी में एसेंड के मोबाइल टावर की बैटरी को चुराकर बेच दिया गया। बैटरी की बिक्री से प्राप्त शेष बचे धनराशि में से 730 रुपए बरामद हुआ।

बरामदगी के आधार पर बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए आज बृहस्पतिवार (20.02.25) को विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

महाराष्ट्र: लॉयड काली आम्माल मेमोरियल टीम की निस्वार्थ सेवा से गडचिरोली जिले के एक ग्रामीण को मिला नया जीवन

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्राः गडचिरोली जिले के अतिदुर्गम क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, लेकिन लॉयड मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड कंपनी के टऊश्री बी. प्रभाकरण के नेतृत्व में लॉयड काली आम्माल मेमोरियल (एलकेएएम) टीम ने ग्रामीणों को अद्वितीय स्वास्थ्य सेवा प्रदान की है।

इस टीम की निस्वार्थ सेवा से इलाके के लोगों को जबरदस्त राहत मिल रही है। हाल ही में, बोडमेट्टा गांव के एक निवासी की तबियत खराब हो गई थी, जब उसके फेफड़े क्षतिग्रस्त हो गए थे। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया, और उसकी हालत इतनी नाजुक थी कि उसे कार्डियक अरेस्ट का सामना करना पड़ा और सांस लेने में गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई। हालांकि, एलकेएएम अस्पताल के डॉक्टर चेतन बुर्रिवार (MBBS, MD, MEDICINE AND CRITICAL CARE SPECIALIST) और उनकी टीम ने 20 दिन तक उसे वेंटिलेटर पर रखा और 24 घंटे निस्वार्थ सेवा दी। इस कठिन उपचार के बाद मरीज की स्थिति में सुधार हुआ और उसे नया जीवन मिला। यह निस्वार्थ सेवा एलकेएएम टीम द्वारा लगातार की जा रही है, जो बिना किसी स्वार्थ के ग्रामीणों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान कर रही है। इस टीम का योगदान और लोगों की सेवा का समर्पण गांववासियों के लिए उम्मीद की किरण बन गया है। डॉ. चेतन बुर्रिवार और उनकी सहकर्मी टीम ने इलाके में स्वास्थ्य देखभाल की एक नई मिसाल पेश की है, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर उपचार की उम्मीद मिल रही है।

म.प्र.: शिवाय हुआ बरामद दो अपराधी पुलिस मुठभेड़ में हथियार बाइक के साथ गिरफ्तार

दीपक कुमार

मध्य प्रदेशः ग्वालियर के सीपी कॉलोनी निवासी शक्कर कारोबारी राहुल गुप्ता के छह वर्षीय पुत्र शिवाय गुप्ता को तेरह फरवरी की सुबह स्कूल जाते समय दो अपराधी बाइक से आकर अपहरण कर लिए थे। हुआ यह कि शिवाय को उसकी माँ स्कूल लेकर जा रही थी, तभी एक लाल रंग की अपाची बाइक पर दो अपराधी आते हैं और माँ को पीछे से मिर्ची पाउडर आँखों में डालकर उनके मासूम बच्चे को उससे छीनकर ले भाग जाते हैं। यह तमाम वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद हो जाती है। माँ रोती-बिलखती तड़पती हुई घटना की जानकारी पति को देती है। चंद मिनट में घटना की जानकारी आस-पास फैल जाती है।

कई समाजसेवी और कई व्यवसायी संघ के प्रतिनिधि इसकी जानकारी मिलते ही डीजीपी गंभीरता से इसकी कार्रवाई में और सकुशल बच्चे की बरामदगी की जिम्मेदारी रेंज के आईजी को सौंप देते हैं। इलाके के कुशल योग्य ऊढ संतोष कुमार समेत एसपी और कई उच्च अधिकारी सीसीटीवी की उक्त अपराधी की कैद फोटो

वीडियो को पहचान के लिए अन्य इलाकों में फैला देते हैं। पुलिस पूरी ताकत से हर इलाके में सक्रिय हो जाती है।

अपराधी खुद को पुलिस से घिरा पाकर अपनी जान बचाने के लिए उक्त बच्चे शिवाय गुप्ता को मुरैना के एक गांव के सुनसान इलाके में फेंककर भाग जाते हैं। भटकता हुआ बच्चा वहीं एक घर के पास जाता है, जहाँ से उसे वहाँ के ग्रामीण पहचान लेते हैं और पुलिस को और उसके परिजनों को फोन से बात करवाते हैं। बच्चे की कुशल होने और बरामद होने से पुलिस और परिजनों को राहत मिलती है। बच्चे को पुलिस परिजनों को कानूनी प्रक्रिया के बाद सौंप देती है। शिवाय बताता है कि उसे बांधकर एक घर में रखा गया था।

पुलिस उन अपराधियों को पकड़ने के लिए तमाम सीसीटीवी कैमरे खंगाल देती है। पुलिस ड्रोन कैमरे का भी सहारा लेती है। पुलिस को सीसीटीवी कैमरे से यह सुराग हाथ लगता है कि अपराधी आठ दिन से अधिक से रेकी कर रहे थे, काफी सुनियोजित ढंग से अपहरण किया था। पुलिस अपराधी के ठिकाने पर पहुंच जाती है। अपराधी राहुल गुज्जर जिंगनी गांव निवासी बंटी गुज्जर पुलिस से खुद को घिरा देख हथियार से फायर करता है, मगर पुलिस खुद को सुरक्षा में उसे पैर में गोली मारकर दबोच लेती है। पुलिस को अपहरण में उपयोग की गई लाल रंग की अपाची बाइक भी बरामद हो जाती है। अपराधी से हथियार भी बरामद हुए।

अपराधी चार की संख्या में थे, यह सुभास नगर मुरैना में एक कमरे में रहते थे, जहाँ शिवाय को अपहरण करके लाए थे। पुलिस की दबिश से अपराधी फिरौती नहीं मांग सके, बल्कि भय से बच्चे को काजी बसई गांव में फेंककर भाग गए। दोनों को पुलिस गिरफ्तार कर ली है। पुलिस बाकी के दो और अपराधियों की तलाश कर रही है। पुलिस को इसमें कई और सुराग हाथ लगे हैं, जिससे पुलिस सक्रिय होकर कार्रवाई कर रही है। वहीं किसी के साथ कोई घटना घटित न हो या पुनः कोई बच्चे का अपहरण न हो, इस दिशा में पुलिस सुरक्षा कड़ी किए हुए है। वहाँ अपराधियों पर त्वरित गति से कार्रवाई जारी है।

महाराष्ट्र: श्री. छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर आयोजित हुआ रंगोली स्पर्धा और झांकी कार्यक्रम

महेश पांडुरंग शेंडे

महाराष्ट्राः श्री. छत्रपति शिवस्वराज बहुउद्देशीय सेवा संस्था आष्टी द्वारा श्री.छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर गाव में रंगोली स्पर्धा और विविध सामाजिक विषयों पर आधारित झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रोडवेज पर आयोजित हुआ, जिसका शुभारंभ कु. तनुश्री ताई आत्राम, सिनेट सदस्य गोंडवाना विद्यापीठ गडचिरोली ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत आष्टी के सरपंच सौ. बेबीताई बूरांडे, सह उद्घाटक व्यंकटी बूर्ले, विशेष अतिथि सौ. पूष्पाताई व्यंकटी बूर्ले, विशाल जी काळे, पुलिस निरीक्षक आष्टी, दामोदर बामनवाडे, रोशनी ताई वरघटे, सौ. चंदाताई कोडवते सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कु. तनुश्री ताई आत्राम ने अपने संबोधन में उपस्थित जनसमूह से अपील करते हुए कहा कि हमें वेलेंटाइन डे

के बजाय छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनानी चाहिए, ताकि हम उनके महान संघर्ष और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना में किए गए योगदान को याद कर सकें। उन्होंने युवाओं से शिवाजी महाराज के राष्ट्रभक्ति के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री. छत्रपति शिवस्वराज्य बहुउद्देशीय सेवा संस्था आष्टी के अध्यक्ष पवन रामगिरकर, उपाध्यक्ष संदिप लोढल्लीवार, सचिव संदीप तिवाडे, कोषाध्यक्ष देवा बोरकूटे, सदस्य आशिष झगडमवार, रितीक पांढरमिसे, प्रतिक राहाटे, गणेश कलाक्षपवार, पियूष पोतरजवार की मेहनत और योगदान महत्वपूर्ण रहे। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन कपिल मसराम ने किया और आभार संदीप तिवाडे ने व्यक्त किया। यह आयोजन स्थानीय लोगों के बीच छत्रपती शिवाजी महाराज के योगदान और उनके विचारों को फैलाने का एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया।

हरियाणा: डबवाली पुलिस अधीक्षक ने कालांवाली में नशा मुक्त वार्डों को किया सम्मानित

इंद्रजीत/हरियाणाः डबवाली पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन की अगुवाई में नशा मुक्ति अभियान के तहत कालांवाली के वार्ड न. 5 और 6 को नशा मुक्त घोषित किया गया। इस अवसर पर महाजन धर्मशाला कालांवाली में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक ने वार्ड के एमसी को नशा मुक्त बनने पर बधाई दी और उन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि डबवाली जिला जल्द ही नशा मुक्त हो जाएगा। अब तक 57 गांव और 10 वार्ड नशा मुक्त घोषित किए जा चुके हैं। उन्होंने नशा

मुक्ति अभियान में सहयोग करने वाले युवाओं और ग्रामीणों की सराहना की। सिद्धान्त जैन ने कहा कि डबवाली जिला नशे के लिए रेड जोन एरिया में आता है, लेकिन पुलिस ने तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। उन्होंने नशे के तस्करों के सामाजिक बहिष्कार की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों से अपील की कि यदि वे किसी को नशा बेचते देखे तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस अधीक्षक ने यह भी बताया कि नशा छोड़ने वाले युवाओं को पुलिस द्वारा मदद की जा रही है, ताकि वे फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। इस कार्यक्रम में उपस्थित नशा छोड़ने वाले युवाओं ने अपने अनुभव साझा किए और लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। समारोह में उप पुलिस अधीक्षक सन्दीप धनखड़, प्रभारी थाना कालांवाली रामफल, उप निरीक्षक सुग्रीव सिंह, नशा मुक्ति टीम के प्रभारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

उत्तर प्रदेश: आदिवासी नौजवानों के लिए बजट निराशाजनक : सविता गोंड

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेशः प्रदेश सरकार द्वारा आज विधानसभा में पेश किए गए बजट में आदिवासी विश्वविद्यालय, लड़कियों के लिए म्योरपुर में डिग्री कॉलेज, हर ब्लॉक में आईटीआई और हर तहसील में पॉलिटेक्निक बनाने की घोषणा नहीं किए जाने पर युवा मंच ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे निराशाजनक बजट कहा है। युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड ने प्रेस को जारी बयान में कहा कि जनजाति के कल्याण का बजट खर्च नहीं किया जाता। पिछली बार 3628.58 लाख रुपए आवंटित किए गए थे, जिसमें से 1670 लाख ही खर्च हुआ।

सामान्य शिक्षा के बजट को 50 करोड़ रुपए घटा दिया गया है। स्वास्थ्य के बजट को लगभग पुराना ही रखा गया है। परिवार कल्याण के बजट में भारी कमी की गई है। कौशल विकास पर जोर देने की बात करने वाली सरकार ने बजट में प्रशिक्षण के मद में कमी की है। जनजाति नौजवानों के रोजगार सेवा का बजट वही रखा गया है और स्वरोजगार कार्यक्रम के बजट में आंशिक वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि बजट से पूर्व सरकार के मंत्री

समेत युवा मंच और अन्य संगठनों द्वारा उठाए गए आदिवासी विश्वविद्यालय की मांग को 1अनसुना कर दिया गया। बजट के आदिवासी विरोधी चरित्र से युवा मंच अन्य संगठनों के साथ मिलकर लोगों को अवगत कराएगा।

जम्मू-कश्मीर: पुलिस कठुआ द्वारा लखनपुर में कार से 3.36 करोड़ बरामद किए गए

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीरः कठुआ एक महत्वपूर्ण अभियान में, पंजाब से कठुआ जाते समय डिस्पैच पॉइंट लखनपुर में पंजीकरण संख्या लफ्8ख-9889 वाली एक कार को रोका गया। चालक, फहाद यूसुफ, और उसके सहयोगी, फहाद वानी, दोनों श्रीनगर के निवासी हैं, जिनके पास ? 3.36 करोड़ की भारी नकदी पाई गई। यह बरामदगी रल्ड ढर लखनपुर इंस्पेक्टर त्रिभवन खजूरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अतिरिक्त एसपी कठुआ श्री राहुल चरक खडढर और ऊटरढ ऊअफ कठुआ श्री सुभाष चंद्र के मार्गदर्शन और ररढ कठुआ श्री शोभित सक्सेना क्ढर के समग्र पर्यवेक्षण में की गई।

यह बरामदगी एक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में की गई, जिससे

अभियान की अखंडता सुनिश्चित हुई। इसके बाद, बरामद नकदी, कार और दोनों व्यक्तियों को आगे की जांच और कार्रवाई के लिए आयकर विभाग को सौंप दिया गया।

यह जब्ती अवैध वित्तीय लेनदेन से निपटने और कर कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ के चल रहे प्रयासों को उजागर करती है। कठुआ पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई वित्तीय प्रणाली की अखंडता को बनाए रखने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

गुजरात: बोर्ड परीक्षाओं के लिए सरकार की कार्य योजना

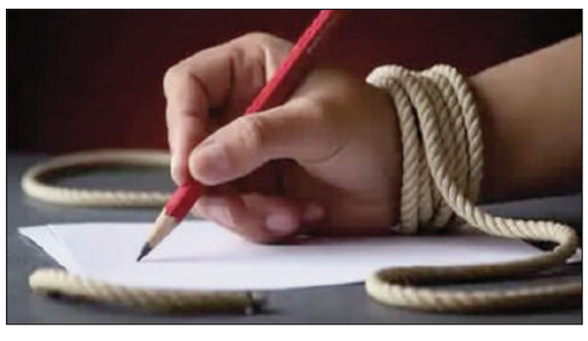

राजपूत रणजीत

गुजरातः घातक हथियार लेकर आए तो परीक्षा से हमेशा के लिए बाहर कर दिया जाएगा, मोबाइल फोन मिला तो प्रश्नपत्र बदल दिया जाएगा और परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। परीक्षा में नकल करते पकड़ा गया।

घातक हथियार लेकर आए तो परीक्षा से हमेशा के लिए बाहर कर दिया जाएगा, मोबाइल फोन मिला तो प्रश्नपत्र बदल दिया जाएगा और परीक्षा रद्द करने के साथ ही एफआईआर भी होगी।

गुजरात राज्य में हर साल मार्च महीने में आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षा इस साल 2025 में 27 फरवरी से शुरू होगी। जिसके लिए कार्ययोजना की घोषणा गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कर दी है। 34 जिलों में 14.28 लाख छात्र है।

उत्तर प्रदेश: महाकुंभ में उमड़ रहा श्रद्धालुओं का सैलाब, विश्व में रिकॉर्ड तोड़ने को तैयार

दीपक कुमार

उत्तर प्रदेश: भारत का उत्तर प्रदेश मे आयोजित महामेला महाकुंभ पर विश्व से श्रद्धांलु के इतनी संख्या मे आने से हर कोइ हैरत मे हैं,लगातार अपार भीड़ उमर रहा हैं,आलम यह हैं की सुरक्षा मे लगे तमाम पदाधिकारी और अधिकारी को लगातार जीतोड़ मेहनत करना पर रहा हैं,यहां तक हाल मे नई दिल्ली स्टेशन पर हादसा तक हो गया हैं, रेल से लेकर हवाई यात्रा साधन समेत सरक मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ा कर दिए गए है,उत्तर प्रदेश के आलावे भारत का बिहार, मध्य प्रदेश, बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, बंगाल, झारखण्ड, गुजरात, उरिसा, छतीसगढ़, उत्तराखंड, दिल्ली, दखछीन के राज्य के आलावा कई स्टेशन पर अलर्ट जारी किये गए है, यहां तक की बिहार के स्टेशन पर हालात को कंट्रोल किये जाने मे वहा डीएम, एस पी, एसएसपी, समेत रेलवे पुलिस सयुंक्त तौर से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत किये हुए हैं, हर इलाके मे गस्ती तेज कर दिए गए है,सबसे ज्यदा भीड़ महाशिवरात्रि महापर्व के अवसर पर उमरने की उम्मीद हैं,यही नहीं प्रयाग राज जाने वाले श्रद्धांलु अयोध्या, काशी, विंध्याचल, मथुरा, वृन्दावन समेत अन्य तीर्थ पर भी जा रहे हैं,जहाँ भीड़ कंट्रोल करना मुश्किल हो रहा हैं,महाशिवरात्रि के अवसर पर देश के कोने कोने के आलावे पुरे विश्व से भारी संख्या मे श्रधांलू का आना जाना हो रहा

हैं,जबकि महाशिवरात्रि पर्व मे कुछ दिन शेष हैं,महाकुंभ महामेला पुरे विश्व मे रिकॉड तोड़ने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा हैं,यह समाचार लिखें जाने तक छप्पन करोड़ से अधिक श्रधांलू का आना जाना हो चूका हैं,बाकि के कुछ ही दिन मे करोड़ो की संख्या पार करना तय हैं,अवस्था यह हैं की सरक, रेल, हवाई मार्ग फूल हैं,महाकुंभ मे मौनी आमवस्या के दिन हुए भगदर के वाद सुरक्षा व्यवस्था मे कोइ चूक ना हो इस कारण वहा काफी कुशल योग्य पदाधिकारी और अधिकारी को जिम्मेदारी सौपा गया हैं,प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी,केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय रक्छा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ मंत्री जे पी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री श्री मोहन प्रसाद यादव , बिहार मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, राजस्थान मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, छतीसगढ़ मुख्यमंत्री गुजरात मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री समेत दिल्ली के पुलिस अधिकारी का रेल से लेकर सरक मार्ग पर ध्यान हैं, किसी को कोइ दिक्कत ना हो इस दिशा मे अधिकारी और पदाधिकारी को अलर्ट किये गए हैं,जगह जगह श्रद्धांलू को खाने पिने और आवश्यकता अनुसार सुबिधा का ख्याल रखा जा रहा है,ज्यदा भीड़ की जानकारी होते ही और व्यवस्था को बेहतरीन किये जाने मे मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ स्वयं डी जी पी मुख्य सचिव,गृह बिभाग के अधिकारी समेत अन्य अधिकारी के साथ ऑनलाइन लाइन हर गतिबिधि पर ध्यान दे रहे है,कई बदलाव भी श्रधांलू के सुबिधा मे किये जा रहे हैं,हवाई मार्ग से भी सुरक्षा का अवलोकन किये जा रहे हैं, पूरा परिसिमन ऑनलाइन किये गए हैं,विश्व का सबसे बड़ा महामेला प्रयाग राज महाकुम्भ महामेला साबित होता गया हैं,व्यवस्था इतना ब्यापक हैं की गलत मंशा रखने वाले या खुराफाती हरकत करने वाले पुलिस की और कैमरे की नजर से कतई नहीं बच सकेगे,विश्व के कोने कोने से आने जाने वाले श्रधांलू की संख्या देख कर आस्था श्रद्धा भावना स्वतः प्रकट होने लगा हैं.13 जनबरी से चल रहा यह महाकुंभ महामेला मे हर अमृत स्नान को लेकर भारी संख्या मे श्रधांलू का रैला रहा हैं,नतीजा यह हैं की उत्तर प्रदेश की प्रयाग राज जाने वाली हर सरक हर स्टेशन पर केवल महाकुम्भ आने जाने वाले ही दिख रहे हैं,चौतरफा सरक लम्बी लम्बी दुरी तक श्रद्धांलु से भरा हुआ हैं,रेल गाड़ी भरा हुआ है, हवाई मार्ग भरा परा हैं,जिसे समान्य किये जाने मे पुलिस को काफी मुश्किल हो रहा हैं,आस पास के रहने वाले स्थानीय लोग वहा श्रधांलू के सेवा मे जुटे हैं,राज्य सरकार और जहाँ-जहाँ भीड़ अधिक हो रहा हैं वहा पर संयम धैर्य धीरज से अधिकारी पदाधिकारी आने जाने का और वहा कई बदलाव कर बेहतरीन व्यवस्था करने मे लगे हुए हैं,वहा पर वहा के स्थानीय उच्च अधिकारी श्रधांलू को खाने पिने रहने की व्यवस्था करने मे लगे हुए हैं,अपार भीड़ होने से आने जाने मे गंभीर समस्या होने लगा हैं,स्थानीय बच्चो को कोइ दिक्कत ना हो इस कारण स्कुल बंद किये गए हैं,संगम स्टेशन को तत्काल बंद किये गए हैं,श्रधांलू मौसम मे आये ठंड की कमी होने और बेहतरीन व्यवस्था की जानकारी पर कोने कोने से प्रयाग राज, अयोध्या, काशी,जाने मे लगे हुए हैं,अधिकाधिक लोग प्रयाग राज जाना चाह रहे हैं,वहा जाने वाले काशी, अयोध्या, विंध्याचल भी जा रहे हैं,श्रधांलू को विश्वास और आशा हैं की उनको आवागमन से लेकर महाकुम्भ समेत अन्य तीर्थ छेत्र मे कोइ दिक्कत नहीं होगा,श्रद्धांलु योगी मोदी सरकार पर और प्रशासन पर विश्वास किये हुए हैं,सबसे ज्यदा परेशानी छोटे छोटे बच्चे और वृद्ध, महिलाओ को होने पर स्थानीय पुलिस उन्हें मदद करने मे लगी हैं,उत्तर प्रदेश डी जी पी श्री प्रशांत कुमार जाम की अवस्था समाप्त किये जाने और उत्तर प्रदेश के प्रयाग राज समेत तमाम सरक समेत तमाम तीर्थ स्थल पर बिशेष ध्यान दिय जाने का आदेश जारी किये हैं,उनका सीधा ध्यान हैं,उन्होंने व्यवस्था को समान्य बनाय जाने मे महाशिवरात्रि पर और व्यवस्था बेहतरीन किये जाने मे पुलिस मुख्यालय से और व्यवस्था किये जाने की तैयारी मे हैं,कई स्तर पर और ध्यान रखा गया हैं,

एक नजर

जम्मू कश्मीर: पुलिस ने 4 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया, प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

राजेश कुमार (झारखंड)/जम्मू कश्मीर: पुलिस ने समाज में ड्रग्स के बढ़ते खतरे को रोकने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए अनंतनाग और हंदवाड़ा में चार ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ भी बरामद किया है। एसडीपीओ पहलगाम की देखरेख में ऐशमुकाम पुलिस स्टेशन की टीम ने ब्रैड ऐशमुकाम में स्थित चेकपॉइंट पर दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान फारूक अहमद लोन और जफर अहमद भट के रूप में हुई। इनके पास से 7.2 किलोग्राम भांग की भूसी और 256 ग्राम भांग पाउडर बरामद किया गया। इसी दौरान हंदवाड़ा में भी पुलिस ने कार्रवाई की और आईसी पीपी चोगुल के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से दो और तस्करों को पकड़ा। इन तस्करों की पहचान फैसल अहमद और ताहिर हबीब के रूप में की गई है। इनके पास से 8.30 ग्राम हेरोइन बरामद की गई और इनका वाहन भी जब्त कर लिया गया। पुलिस ने इन तस्करों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामले दर्ज कर उनकी आगे की जांच शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश: बारात में डीजे पर नाचने-गाने को लेकर मारपीट व चाकू बाजी की घटना में थे वांछित हुआ गिरफ्तार

अरुण कुमार पटेल/उत्तर प्रदेश: बलिया पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार झा के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारे आशीष मिश्र के कुशल नेतृत्व में थाना उभांव पुलिस टीम को में डीजे पर नाचने/गाने को लेकर मारपीट व चाकू बाजी की घ शामिल तीन वांछितों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिल यह गिरफ्तारी आज मंगलवार (18.02.2025) को उभांव था नवागत प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद सिंह व हमराहियों द्वार मुखबिर की सूचना के बाद उभांव थाने में पंजीकृत मु०अ०सं 37/2025 धारा 190,191(2),191(3), 118(1),109 बीएन सम्बन्धित तीन वांछित अभियुक्तों अभिषेक यादव पुत्र राम बह यादव, अजीत यादव पुत्र दिनेश यादव दोनों निवासी ग्राम ढेक थाना नगरा जनपद बलिया और उमेश यादव पुत्र झब्बर यादव निवासी डुमाडाड़ थाना नगरा जनपद बलिया को ग्राम पशुहारी समय 09.50 बजे गिरफ्तार किया गया। उभांव पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

उत्तर प्रदेश: बलिया में पाक्सो मामले में हुआ चालान, अपहृता सकुशल बरामद

अरुण कुमार पटेल/उत्तर प्रदेश: बलिया जिले की पकड़ी पुलिस ने एक दुष्कर्मी को धर दबोचते हुए, अपहृता को सकुशल बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

यह सारी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में अपहृता की बरामदगी व अपराध एवं अपराधियों/वांछित/फरार/वारंटी अभियुक्तों की धर पकड़ हेतु चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सिकंदरपुर के निकट पर्यवेक्षण और थानाध्यक्ष लालमणि सरोज के नेतृत्व में थाना पकड़ी पुलिस टीम द्वारा की गई। आज बुधवार (19-02-2025) को थानाध्यक्ष लालमणि सरोज के नेतृत्व में थाना पकड़ी पुलिस टीम के उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव मय हमराहियों द्वारा मुखबिर की सूचना के बाद थाना पकड़ी जनपद बलिया पर पंजीकृत मु०अ०सं० 137/24 धारा 137(2), 87, 352, 351(3) भारतीय न्याय संहिता-2023 परिवर्तित धारा 65(1), 137(2), 87, 352, 351(3) भारतीय न्याय संहिता-2023 व 5छ/6 पाक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त सचिन रजक पुत्र गुड्डू रजक (उम्र लगभग 19 वर्ष) निवासी ग्राम पकड़ी, थाना पकड़ी, जनपद बलिया को अपहृता के साथ टंड़वा बाजार के पास से सकुशल बरामद करते हुए आज 19.02.2025 को समय 10.30 बजे नियमानुसार हिरासत पुलिस में लेते हुए विवेचनात्मक कार्यवाही के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

मध्य प्रदेश: शराब के अवैध धंधे पर अब सरकार कसेगी लगाम

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: सरकार अब शराब परिवहन करने वालों और शराब माफियाओं पर लगाम कसने की तैयारी में जुट गई है। अब सरकारी शराब की दुकानों पर शराब के शौकिया व्यक्तियों को शराब खरीदने के पूर्व ढडर मशीन पर अपना थम्स लगाना अनिवार्य करने जा रही है। इससे ग्राहकों को भी फायदा होगा कि कहीं शराब ठेकेदारों ने नकली शराब तो नहीं दे दी है, क्योंकि आए दिनों देश के सभी राज्यों में नकली शराब पीने से कई लोगों की जानें भी जा चुकी हैं। इसको देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने यह कदम उठाए हैं।

वहीं, मध्य प्रदेश ने यह भी निर्णय लिया है कि अब मध्य प्रदेश में मिनी बियर बार खुल सकेंगे। केवल बीयर, वाइन और रेडी टू ड्रिंक, मिनी बार में शराब पिलाना प्रतिबंधित होगा। 10 प्रतिशत से कम अल्कोहल पेय मिलेंगे। शराब लाइसेंस में मिनी बार वालों को भारी छूट मिलेगी। यह आदेश मध्य प्रदेश सरकार की आबकारी नीति के तहत अधिसूचना जारी की गई

उत्तर प्रदेश: टोयोटा ने लांच की न्यू कैमरी हाइब्रिड कार

कपिल कुमार दोआर

उत्तर प्रदेश: दिनांक 18 फरवरी 2025 को सनी टोयोटा प्राइवेट लिमिटेड (Sunny Toyota Pvt Ltd) अरतौनी आगरा के शोरूम में न्यू कैमरी हाइब्रिड कार का अनावरण राज्यसभा सांसद नवीन जैन जी के द्वारा दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया गया।

इस मौके पर सनी टोयोटा कंपनी के डिप्टी जनरल मैनेजर राजकुमार सिंह यादव ने बताया कि पर्यावरण के संतुलन को ध्यान में रखते हुए टोयोटा कैमरी हाइब्रिड कार की लांचिंग की गई है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सेल्फ चार्जिंग है। नई कैमरी हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक कार को पांचवीं पीढ़ी की हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ लांच किया गया है, जो काफी उन्नत तकनीकी से लैस है। यह नया मॉडल

आधुनिक सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए बेहतरीन एक्सटीरियर एवं इंटीरियर डिजाइन के साथ बेहतर परफॉर्मेंस प्रदान करेगा।

यह कार 2.5 लीटर ईसीवीटी पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड टेक्नोलॉजी में 230 ढर पावर एवं 221 ठट का टॉर्क 3200 फ्ढट पर प्रदान करेगा। हाइब्रिड सिस्टम के कारण 25.49 किलोमीटर प्रति लीटर का सर्वोच्च माइलेज प्रदान करेगा। इसमें सुरक्षा की दृष्टि से 9 एयरबैग एवं टोयोटा के नवीनतम सेफ्टी सेंसर 3.0 के सभी सुरक्षा फीचर्स भी उपलब्ध हैं। साथ ही यह कार 12.3 इंच का मल्टीमीडिया सिस्टम नई टेक्नोलॉजी के साथ है। यह पूरे भारत में एक्स-शोरूम कीमत 48 लाख रुपए में उपलब्ध होगी।

इसमें उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से रजिस्ट्रेशन पर रिबेट है।

कार के अनावरण के मौके पर सनी टोयोटा के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री दुर्गेश बहादुर जी, कंपनी के जनरल मैनेजर आशुतोष जी, सेल्स प्रबंधक दीपेश कुमार, प्रेम सिंह जी एवं सेल्स टीम के सभी मेंबर्स मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश: सेंट पीटर्स स्कूल हत्याकांड का 24 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

कपिल कुमार दोआर

उत्तर प्रदेश: आगरा सेंट पीटर्स स्कूल के सामने रात में हुए जघन्य हत्याकांड के सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर अभियुक्त ने फायरिंग कर दी, तो आत्म-सुरक्षा के क्रम में पुलिस की मुठभेड़ हुई। हत्याकांड को अंजाम देने वाला, मृतक को गोली मारने वाला अभियुक्त अरबाज पुत्र मोहम्मद हनीफ, निवासी नई आबादी हमीद नगर, थाना - शाहगंज आगरा, की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस मुठभेड़ में घायल होने के कारण उसे तत्काल उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज एस एन भेजा गया। अभियुक्त के कब्जे से दो

राउंड खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस, एक तमंचा 315 बोर, नकदी और मृतक का फोटो जेब से बरामद हुए।

आगरा सेंट पीटर्स मार्ग पर शनिवार की रात हुर अजय कुशवाह हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में खुलासा किया। मंगेतर के आशिक ने अजय की हत्या की थी। शादी तुड़वाने के लिए पहले पूर्व आशिक के साथ फोटो भेजे गए थे। शादी से इनकार न करने पर हत्या की साजिश बनाई गई और गोली मारी गई। 17 साल बाद सेंट पीटर्स मार्ग पर हत्या हुई। सेंट पीटर्स मार्ग पर 17 साल बाद शनिवार को हत्या की वारदात हुई। वर्ष 2008 में दिनदहाड़े इस मार्ग पर कचहरी चाट निवासी अधिवक्ता एवं पत्रकार महेश शर्मा की हत्या हुई थी।

फायरिंग की घटनाएं पूर्व में कई बार हुई हैं। सेंट पीटर्स मार्ग पर फायरिंग की घटनाएं पूर्व में कई बार हुई हैं। 2013 में बिल्लू वर्मा और उसके साथियों ने एक सराफा कारोबारी के कर्मचारी को गोली मारी थी। आवश्यक वैधानिक कार्यवाही के संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त हरीपर्वत द्वारा दी गई जानकारी।

जम्मू कश्मीर: कठुआ के नेटबॉल खिलाड़ी को जिला प्रशासन ने किया सम्मानि

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: कठुआ जिले का नाम रोशन करने वाले कठुआ के नेटबॉल खिलाड़ी गगनदीप कुमार और उनके कोच रवि कुमार जस्सल को जिला प्रशासन ने सम्मानित किया है। हाल ही में उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल में नेटबॉल के मुकाबले में गगनदीप ने कांस्य पदक जीता है।

बुधवार को डीसी डॉ. राकेश मिन्हास ने एक समारोह के दौरान खिलाड़ी के साथ मुलाकात की और उन्हें प्रशासन की ओर से 50 हजार रुपये और प्रशिक्षक को 25 हजार रुपये देकर प्रोत्साहित किया। डीसी ने गगनदीप को बेहतर खिलाड़ी बनाने में कठुआ एथलेटिक क्लब के प्रयास की भी सराहना की। साथ ही उन्हें भविष्य में प्रशासन की ओर से हर तरह का सहयोग देने का आश्वासन दिया।

जम्मू कश्मीर: चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की विशेष जर्सी पर पाकिस्तान के नाम पर कविंदर गुप्ता ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

राजेश कुमार

जम्मू कश्मीर: खेलों का राजनीतिकरण करने के पाकिस्तान के प्रयासों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की मांग की वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अनावरण की गई विशेष जर्सी पर पाकिस्तान का नाम शामिल किए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। अपनी कड़ी असहमति व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे भारत को अपमानित करने के लिए पाकिस्तान की सोची-समझी चाल और भारत के प्रति पाकिस्तान की निरंतर शत्रुता की याद दिलाने वाला कदम बताया।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कविंदर गुप्ता ने कहा, "यह चौंकाने वाला और अस्वीकार्य है कि एक खेल आयोजन की ब्रांडिंग का इस्तेमाल ऐसे देश का

महिमामंडन करने के लिए किया जा रहा है, जिसने लगातार आतंकवाद को पनाह दी है और भारत की संप्रभुता के खिलाफ काम किया है। इस तरह से पाकिस्तान का नाम शामिल करना न केवल राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुंचाता है, बल्कि आईसीसी की मंशा पर भी सवाल उठाता है।"

उन्होंने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है; अतीत में भी कई बार पाकिस्तान ने भारत की संप्रभुता को कमजोर करने के लिए इस तरह की हरकतें की हैं। उन्होंने बताया कि 2015 में भारत ने इस्लामाबाद में राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) का बहिष्कार किया था, क्योंकि उस समय वे जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष थे और उन्हें इसमें आमंत्रित नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने यह सब सोची-समझी चाल के तहत किया। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने फैसला किया था कि भारत इस्लामाबाद में आयोजित राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के सम्मेलन का बहिष्कार करेगा, क्योंकि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष को आमंत्रित नहीं किया था और इसे विवादित क्षेत्र बताया था।

कविंदर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और केंद्र सरकार से इस मामले को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के समक्ष उठाने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि भारत की चिंताओं का समाधान किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लाखों भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भावनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और सीमा पार आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका को कमतर आंकने वाले किसी भी कदम का विरोध किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, "खेलों को शांति और सौहार्द को बढ़ावा देना चाहिए, न कि ऐसे देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए जो भारत विरोधी गतिविधियों का समर्थन करना जारी रखता है। सरकार को एक दृढ़ रुख अपनाना चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो इस आयोजन में भारत की भागीदारी पर पुनर्विचार करना चाहिए।" पूर्व उपमुख्यमंत्री ने हर मंच पर भारत की गरिमा की रक्षा करने और राष्ट्रीय गौरव से जुड़े मामलों पर कोई समझौता न किए जाने को सुनिश्चित करने के लिए भाजपा की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान की शरारतों पर भारत का रुख हमेशा दृढ़ और अटल रहा है। उन्होंने अधिकारियों से भारत की संप्रभुता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ सतर्क रहने का आग्रह किया, इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के सुनियोजित उकसावे का मुकाबला करने के लिए मजबूत कूटनीतिक और रणनीतिक उपाय किए जाने चाहिए।

सम्पादकीय

दिल्ली में भाजपा की जीवन रेखा

जादूगर सरकार की तरह अब भाजपा भी जादू करके अपने कार्यकताओं और नेताओं के साथ देश को भी अचरज में डालने लगी है। भाजपा ने लगभग तीसरी बार दिल्ली में विधायक दल के नेता के रूप में एक ऐसा नाम नवनिर्वाचित विधायकों के सामने रख दिया जिसके बारे में दूर-दूर तक क्या, ख्वाब में भी किसी ने नहीं सोचा था। दिल्ली की नई-नवेली भाजपा सरकार की कमान, पार्टी हाईकमान ने श्रीमती रेखा गुप्ता को सौंपी है। रेखा को किस कोटर से निकाला गया है, कोई नहीं जानता। हालाँकि रेखा जी छात्र राजनीति से प्रशिक्षित होकर चुनाव की राजनीति में आयीं हैं। रेखा का अवतरण उसी तरह हुआ है जैसा कि पहले राजस्थान, मप्र और छग में अपने मुख्यमंत्रियों का किया था।

दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री पद का स्वाभाविक उम्मीदवार समझा जा रहा था, लेकिन हुआ उल्टा। भाजपा ने आतिशी का उत्तराधिकारी रेखा को बनाया। रेखा महिला भी हैं और वैश्य समाज का चेहरा भी। भाजपा की विवशता थी कि वो दिल्ली की जनता को महिला की जगह महिला और केजरीवाल की जगह वैश्य को ही मुख्यमंत्री बनाये, सो बना दिया हालाँकि ये निर्णय करने में भाजपा को पूरे 12 दिन लग गए। रेखा दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री होंगी। चार में से दो महिलाएं भाजपा की और से दी गयी। पूर्व में श्रीमती सुषमा स्वराज भाजपा की सरकार की मुख्यमंत्री रह चुकीं हैं। कांग्रेस ने श्रीमती शीला दीक्षित को और आम आदमी पार्टी ने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया था।

आपको याद होगा की 1996 में रेखा गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डुसू) की अध्यक्ष चुनी गयीं थीं। 2007 में वो दिल्ली के पीतमपुरा (उत्तर) की काउंसिलर बनीं। रेखा ने पहला विधानसभा चुनाव शालीमार बाग सीट से ही लड़ा था लेकिन जीत नहीं पायीं थीं, किन्तु हाल के विधानसभा चुनाव में रेखा गुप्ता ने आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को करीब 30 हजार वोट से हराया। । रेखा ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी। । भाजपा ने इससे पहले राजस्थान में श्रीमती वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री नहीं बनाकर महिला विरोधी होने के आक्षेप झेले थे, लेकिन दिल्ली में महिला को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा महिलाओं में एक बार फिर अपनी जगह बनाने की नाकाम कोशिश कर रही है।

मेरी अपनी धारणा है कि भाजपा हाई कमान ने रेखा को मुख्यमंत्री बनाकर एक तरह से जुआ खेला है। तीर निशाने पर लगा तो ठीक अन्यथा तुरुप बदलने में देर कितनी लगती है? भाजपा अब पार्टी में पीढ़ी परिवर्तन कर रही है। मध्यप्रदेश में डॉ मोहन यादव और राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने ये प्रयोग करके देख लिया कि पार्टी में कोई इस प्रयोग की खुलकर मुखालफत नहीं कर पाया, दिल्ली में भी मुख्यमंत्री बनने का ख्वाब पलने वाले तमाम नेता अपमान का घूँट पीकर रह गए हैं। वरना दावा तो पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल या पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को हारने वाले विधायकों का बनता था।

जानकारों का कहना है कि भाजपा हाईकमान ने अब महिलाओं को ही अपना रक्षा कवच बना लिया है। दिल्ली विधानसभा की 29 सीटें महिलाओं की वजह से ही भाजपा जीती है। महिलाएं यदि भाजपा के पक्ष में खुलकर मतदान न करतीं तो मुमकिन था की भाजपा की सरकार बन ही न पाती। भाजपा ने मप्र की तर्ज पर दिल्ली में भी महिलाओं को प्रतिमाह 2500रुपए सम्मान निधि देने की घोषणा की थी। महिलाओं को ललचाकर भाजपा महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव भी जीत चुकी है, केवल झारखण्ड की महिलाएं भाजपा के झांसे में नहीं आयीं। भाजपा ने 70 सीटों में से 9 पर महिला उम्मीदवार उतारे थे।

आपको याद होगा कि दिल्ली में जब एक लम्बे आरसे बाद 1993 में विधानसभा के चुनाव हुए थे तब भाजपा की सरकार बनी थी, लेकिन तबकी भाजपा ने मात्र 5 साल में तीन मुख्यमंत्री बनाये थे। पहले मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना केवल 3 साल ही अपने पद पर रह पाए। खुराना हटे तो साहिब सिंह वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया गया थे, वे कोई डेढ़ साल ही पद पर रह पाए की उन्हें भी हटा दिया गय।

सोशल मीडिया कंटेंट के प्रति तय हो जवाबदेही !

-सुनील कुमार महला-

आज का युग सूचना क्रांति का युग है। सोशल नेटवर्किंग साइट्स के इस दौर में आज अश्लीलता-अभद्रता की सारी हदें पार हो गई हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर आज लगातार वर्जनाओं को तोड़ा जा रहा है, जिन पर किसी का कोई नियंत्रण नजर नहीं आता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज कल सोशल मीडिया हमारी ज़िन्दगी का एक अहम और महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। सच तो यह है कि व्यक्ति अपने विचार, सहमति-असहमति(पसंद नापसंद) सब कुछ सोशल मीडिया पर व्यक्त करने लगा है। लेकिन अक्सर यह देखने में आता है कि सोशल मीडिया में ऐसे अनेक लोग हैं जो गलत, अश्लील (भद्दे) कमेंट या पोस्ट करते हैं। यह किसी भी हाल में जायज और तर्कसंगत नहीं ठहराया जा सकता है। वास्तव में सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर गलत, अश्लील और भद्दे कमेंट और पोस्ट करना एक प्रकार से अपराध की श्रेणी में आता है। भारतीय संस्कृति तो वैसे भी संस्कारों की बहुत ही धनी रही है। अतः भारतीय संस्कृति, संस्कारों के लिहाज से इसे कदापि ठीक नहीं कहा जा सकता है। यह बहुत ही दुखद है आज हमारे समाज से नैतिक मूल्यों, हमारे आदर्शों का लगातार पतन होता चला जा रहा है और हम पाश्चात्य संस्कृति की आड़ में अपनी संस्कृति, अपने सामाजिक संस्कारों, मूल्यों, प्रतिमानों को पीछे छोड़ते हुए अमयार्दा की सीमाएं लांघ रहे हैं। हमें ऐसे सार्वजनिक प्लेटफार्म पर क्या कहना चाहिए और क्या नहीं कहना चाहिए, हमें इसका जरा सा भी भान नहीं है।

कितनी बड़ी बात है कि हम अपनी संस्कृति और संस्कारों की सीमाओं को लांघते हुए भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर अराजक व्यवहार कर रहे हैं। अधिक से अधिक लाइक, कमेंट्स, शेयर के चक्कर में, नेम-फेम पाने के चक्कर में हम ऐसे अराजक व्यवहार इन सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर कर बैठते हैं, जो कि हमारे समाज और देश की साख पर कहीं न कहीं बट्टा लगाते नजर आते हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग लगातार देशभर में गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मयार्दा की सभी सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। कहना गलत नहीं होगा कि इंडियाज गॉट लैटेंट' शो में यूट्यूबर द्वारा भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग तक ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की है। इतना ही नहीं, साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि इंडियाज गॉट लैटेंट' शो में यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के अश्लील बयान पर भारी बवाल जारी है। खबरों के माध्यम से जानकारी मिलती है कि असम में इलाहाबादिया समेत पांच अन्य के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो गई है और इस बात की जानकारी असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने खुद एक्स पर पोस्ट कर दी है। कहना गलत नहीं होगा कि ह्यइंडियाज गॉट लैटेंटह्ल शो में अश्लील बातों को लेकर बड़े पैमाने पर आलोचना हो रही है और यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया के बयान को बेहद अश्लील और आपत्तिजनक बताया जा रहा है। वास्तव में, ह्यइंडियाज गॉट लेटेंटह्ल नामक एक शो में अश्लीलता को बढ़ावा देने और यौन रूप से स्पष्ट और अश्लील चर्चा में शामिल होने के आरोप में यह एफआईआर दर्ज की गई है। जानकारी के अनुसार गुवाहाटी क्राइम ब्रांच ने साइबर पीएस केस संख्या 03/2025 के तहत बीएनएस 2023 की धारा- 79/95/294/296 के साथ आईटी एक्ट, 2000 की धारा 67, सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952 की धारा 4/7 और महिलाओं के अभद्र चित्रण (निषेध) अधिनियम, 1986 की धारा 4/6 के तहत मामला दर्ज किया है?।

-: ललित गर्ग:-

रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरू करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गईं हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे।

-सोनम लववंशी-

भीड़ का कुसूर, सरकार बेकसूर !

रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचती है, लोग कुचले जाते हैं, चीख-पुकार मचती है, और सरकार कहती है- मोक्ष मिल गया! अगर यही मोक्ष है, तो फिर कुंभ न हुआ, सरकारी वधस्थल हो गया। अब कुंभ में जाने का मतलब सिर्फ आस्था नहीं, बहादुरी का टेस्ट भी है। स्टेशन पर कदम रखते ही आप दो चीजों का सामना करते हैं- एक, असहनीय भीड़, और दूसरा, प्रशासन की अनुपस्थिति। भीड़ से बच गए, तो समझो पुण्य कमाया, और अगर भगदड़ में फंस गए, तो मोक्ष पक्का! नया सरकारी फामूर्ला यही है- मरो, तो मोक्ष मिलेगा, बच गए, तो गंगा नहाने का सौभाग्य!

हर बार की तरह, इस बार भी सरकार के बयान शानदार रहे- अज्ञात तत्वों ने अफवाह फैलाई, भीड़ बेकाबू हो गई, पर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की! कार्रवाई इतनी तेज थी कि जब तक मदद पहुंची, मोक्ष एक्सप्रेस अपना अगला स्टेशन पार कर चुकी थी। याद कीजिए, 2013 प्रयागराज कुंभ की भगदड़। स्टेशन पर प्लेटफॉर्म अचानक बदल दिया गया और देखते ही देखते 36 लोग भगवान के चरणों में समा गए। तब के प्रशासन ने गलती मानी, कुछ अफसरों ने इस्तीफा भी दिया। लेकिन 2025 के कुंभ में सरकार इतनी आध्यात्मिक हो चुकी है कि इस्तीफे की बात छोड़िए, अब वह खुद भगवान की भूमिका निभाने लगी है- हमने सबको मोक्ष दिलाया! अब तो सरकार को यह तय कर लेना चाहिए कि भगदड़ में मरने वालों के लिए रेलवे काउंटर पर ही मोक्ष बीमा योजना शुरू कर दी जाए। 500 रुपये में प्लेटफॉर्म टिकट और स्वर्ग लोक की एडवांस बुकिंग! और जो लोग वेटिंग लिस्ट में रह जाएं, उन्हें अगले कुंभ तक टिकट कन्फर्म होने का भरोसा दे दिया जाए। आखिरकार, धर्म और पर्यटन का यह महामिलन बिना सरकारी मार्केटिंग के कैसे पूरा हो सकता है? भगदड़ के बाद सरकारें हमेशा एक ही नीति अपनाती हैं- पहले मौतों की संख्या कम कर दो, फिर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ा दो। अगर 50 करोड़ लोग कुंभ में आ चुके हैं, तो यह मान लिया जाए कि आधे हिंदू भारत में इस बार गंगा स्नान कर चुके ! अगले हफ्ते तक यह आंकड़ा 80 करोड़ हो जाए तो आश्चर्य नहीं करिएगा, सरकार इसे अविश्वसनीय उपलब्धि घोषित कर देगी।

आज के डिजिटल युग में मौत के आंकड़े भी आत्मनिर्भर भारत का हिस्सा बन चुके हैं। कुंभ में आने वालों की संख्या हर घंटे बदलती है- आज 50 करोड़, कल 80 करोड़! यानी आधे हिंदुस्तान को सरकार पहले ही मोक्षमार्ग पर भेज चुकी है। फिर जब भगदड़ होती है, तो मृतकों की संख्या इतनी गोपनीय रखी जाती है, मानो कोई सरकारी रक्षा सौदा हो! लेकिन असली खेल तब शुरू होता है जब हादसे के बाद सरकार भीड़ को ही दोषी ठहराने लगती है। श्रद्धालु अनुशासित नहीं थे, अफवाहें फैलीं, कुछ असामाजिक तत्व घुस आए! अरे सरकार, अगर इतनी ही अनुशासनप्रिय है, तो वीआईपी लोग हेलिकॉप्टर से क्यों आ रहे हैं? क्यों मंत्रियों के लिए रेड कार्पेट बिछता है और आम श्रद्धालु रेलवे स्टेशन पर धक्के खाते हैं? क्या भीड़ कंट्रोल सिर्फ आम आदमी के लिए होता है? नेता और वीआईपी लोग कभी भगदड़ में नहीं मरते, क्योंकि वे स्पेशल गाड़ियों, हेलिकॉप्टरों और पुलिस सुरक्षा के घेरे में चलते हैं। अगर भगदड़ में मरना ही मोक्ष है, तो वीआईपी को सुरक्षा घेरे की जरूरत क्यों? इन नेताओं और अफसरों को भी बिना टिकट वाली भीड़ में खड़ा किया जाए, और देखा जाए कि उनका मोक्ष कब और कैसे प्राप्त होता है!

सरकार को एक नया बोर्ड रेलवे स्टेशनों पर लगवा देना चाहिए- सावधान! यह मोक्ष प्राप्ति स्थल है। कृपया अपने अंतिम संस्कार की तैयारी करके आएं! टिकट खिड़की पर लिखा हो- जनरल टिकट झ्र अगले जन्म में मोक्ष की वेटिंग, कन्फर्म टिकट झ्र सीधे बैकुंठ एक्सप्रेस! भगदड़ में मारे गए लोग गरीब थे, मजबूर थे, और सबसे बड़ी बात- सरकार पर भरोसा कर बैठे थे। उन्होंने मान लिया कि इस बार सबकुछ बेहतर होगा, अव्यवस्था नहीं होगी, लेकिन हुआ वही जो हर बार होता है। प्रशासन ने कहा- हमने सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की हैं। जनता ने भरोसा किया, और बदले में भगदड़ में कुचलकर मर गई। अब प्रशासन सफाई देने में लगा है, और भक्तों की मौत को मोक्ष बताकर अपने पाप धो रहा है। अब तो लगने लगा है कि देश में मरने के भी दो कोटे हैं- एक वीआईपी मौतें होती हैं, जिन पर संसद तक हिल जाती है, और दूसरी आम आदमी की मौतें, जो प्रशासन के लिए यात्रा के दौरान मोक्ष प्राप्ति जैसी छोटी-मोटी बात हैं। पर असली सवाल कोई नहीं पूछता मरने वाले कौन थे? गरीब, मजदूर, छोटे किसान, वे लोग जो सरकार के वादों पर भरोसा कर बैठे। लेकिन उन्हें सरकार की गलती से मरा घोषित करने की बजाय, धर्म लाभ मिल गया! वाह री राजनीति, वाह री मोक्ष की दुकानदारी !

इतिहास जब महाकुंभ 2025 की समीक्षा करेगा, तो इसमें श्रद्धालुओं की भीड़ के साथ सरकार की जमीनी असफलता भी दर्ज होगी। इन हादसों को ईश्वरीय इच्छा बताने वालों को यह समझना चाहिए कि भगवान व्यवस्थाएं नहीं बनाते, यह जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन जब सरकार खुद भगवान बनने लगे, तो मौत को मोक्ष में बदलने में देर नहीं लगती। तो अगली बार जब आप रेलवे स्टेशन पर कदम रखें, तो एक सवाल जरूर पूछें- क्या मैं यात्रा पर निकला हूं या मोक्ष एक्सप्रेस पकड़ने? हकीकत यह है कि आस्था को कारोबार बना दिया गया है, मोक्ष को राजनीति का औजार, और भीड़ को सरकार की नाकामी छिपाने का बहाना। कुंभ आता रहेगा, भगदड़ मचती रहेगी, लोग मरते रहेंगे, और सरकार अगले कुंभ के लिए नई योजनाएं बनाती रहेगी। लेकिन सवाल वहीं का वहीं रहेगा- आखिर कब तक सरकार बेगुनाहों को मौत के मंजर में उतारती रहेगी?

-शकील अख़्तर-

अंधों को भारतीयों की हथकड़ी-बेड़ी नहीं दिख रही !

प्रधानमंत्री मोदी कहते थे कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। अर्थात दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है। और देख लीजिए क्या सम्मान मिला है? रोजगार की तलाश में गए युवा भारतीय जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी-बेडी में जकड़ कर लाए जा रहे हैं। ह्न. सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है।

अमेरिका केवल हथकड़ी-बेड़ी डालकर ही भारतीयों को वापस नहीं भेज रहा है बल्कि किस तरह उन्हें बांधा जा रहा है इसके वीडियो भी प्रसारित कर रहा है। और वह भी प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका जाने के बाद। और राष्ट्रपति ट्रंप से मिलकर उनके गदगद होने के बाद!

क्या फर्क पड़ता है? आज कुछ भी हो जाए न मोदी सरकार को फर्क पड़ता है और न शायद जनता को। एक से एक बड़ी घटनाएं हो गईं। मगर जनता उनसे विरक्त है। नफरत के नशे के बारे में बहुत सुना था मगर वह इतना जहरीला है कि पूरे देश की सोच समझ की ताकत को खत्म कर सकता है, देश को पूरा डुबोने की तैयारी कर सकता है, यह कभी नहीं सोचा था।

हिटलर के फैलाए यहूदियों के खिलाफ नफरत के बारे में यह लगता है कि उसे 75 - 80 साल हो गए। उसके दुष्परिणाम भी दुनिया ने देख लिए। जर्मनी के दो टुकड़े हो गए। हिटलर खुद सबसे बड़ा घृणा का पात्र हो गया। खुद को गोली मारना पड़ी इन सब के बाद लगता था कि इस नफरत की विचारधारा को कोई नहीं अपनाएगा। खुद अपने और अपने देश के विनाश के रास्ते पर कोई नहीं चलेगा मगर आप सोच सकते हैं, जो हो रहा है लिख सकते हैं लेकिन किसी को रोक नहीं सकते!

एक राहुल गांधी यह कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सही तरीके से समय रहते इस नफरत को पहचाना। यह भी समझा कि यह कोई एक छोटा मोटा अलग थलग को मामला नहीं है। पूरा बाजार बना डाला है। इसीलिए उन्होंने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान की बात कही। वे अकेले इस नफरत से लड़ रहे हैं। पढ़े लिखे हैं। दुनिया देखते हैं उन्हें मालूम है कि भारत इस नफरत से विश्व गुरु बनना तो दूर अपना सामान्य विकास भी नहीं कर पाएगा।

विश्व गुरु किसे चाहिए? क्या अन्तरराष्ट्रीय जगत में यह मांग कभी सुनी कि हम बिना गुरु के हैं। अन्धकार में है। कोई आकर ज्ञान दे। निकाले हमें अज्ञान से। सारा साइंस टेक्नोलाजी उनके पास। नेहरू के समय भारत में इस क्षेत्र में जो शुरूआत हुई थी वह अंधविश्वासों को बढ़ावा देकर खत्म कर दी। पैसा, उद्योग धंधे उनके पास। हमारे यहां यह सब भी खत्म कर दिया। निर्माण के बदले असेम्बलिंग (जैसे अखबार के लिफाफे बनाने का काम होता था) का काम होने लगा। बेरोजगार ही बेरोजगार पैदा कर दिए। वही रोजगार की तलाश में अमेरिका गए थे। और अमेरिका क्या? रूस, युक्रेन, इजराइल में भाड़े के सैनिक तक बनकर गए।

तो अमेरिका कोई चोरी डकैती करने नहीं गए। रोजगार की तलाश में गए थे। और वहां से वापसी? तीन जहाज आ गए। जब पहला आया तो संसद चल रही थी। विदेश मंत्री ने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि हथकड़ी बेड़ी डालकर नहीं भेजा जाए। मिलिट्री जहाज से नहीं। उसके बाद प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा भी हो गई। गोदी मीडिया बड़ा उत्साहित हो गया। ट्रंप ने यह कहा उनकी शान में वह किया। बन गए विश्व गुरु। जल गया विपक्ष। छा गए मोदी। पता नहीं क्या क्या टीवी में बोला और अखबारों में लिखा।

मगर हुआ क्या उसके बाद दो जहाज और आ गए। हथकड़ी बेड़ीं तो थी हीं। सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है।

सत्तर साल में क्या हुआ? यह राग है जो प्रधानमंत्री मोदी से लेकर मीडिया तक हर वक्त बजता रहता है। सत्तर साल में कुछ नहीं हुआ! कांग्रेसी जवाब देने में कमजोर। केवल अपने निजी फायदे की बात में ही उनका दिमाग और जबान चलती है। अभी दस साल यूपीए की सरकार में मंत्री रहे। उससे पहले रहे। संगठन में सभी उच्च पदों पर कब्जा जमा कर बैठे रहे। मगर कभी सामने नहीं आते। नहीं बताते कि सत्तर साल में भारत ने कितनी तरक्की की। उनके इस चुप रहने से ही प्रधानमंत्री मोदी की यह हिम्मत हुई कि उन्होंने कह दिया कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है।

देख लीजिए कि कितना सम्मान मिला है। रोजगार की तलाश में गए युवा जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी बेडी में जकड़कर लाए जा रहे हैं। कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि सत्तर साल में कम से कम यह तो नहीं हुआ। भारत की विदेश सेवा के कुछ रिटायर अधिकारियों ने यह हिम्मत की। उन्होंने कहा कि न अपनी विदेश सेवा का नौकरी में देखा, न उससे पहले के बारे में कभी पढ़ा सुना और ने रिटायर होने के बाद देखा। यह पहला मौका है जब भारतियों को इस तरह बांध कर लाया गया हो।

सत्तर साल में पहली बार! मगर इससे क्या? सत्तर साल में पहली बार ऐसे ही कई कारनामे हो चुके हैं। चीन आकर हमारी धरती पर 20 सैनिकों को शहीद करके वहीं बैठ जाता है। और प्रधानमंत्री कहते हैं न कोई घुसा है न कोई है। हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लेता है। सेना कहती है। मगर सरकार कहती है नहीं। कितनी ही घटनाएं हैं। नोटबंदी मारे गए परेशान लोगों की। कोई जवाब है? क्यों बंद किया था हजार का नोट और दो हजार का चलाया। और फिर उसे क्यों बंद किया?

क्यों लाए गए काले किसान कानून? कितने किसान मरे। फिर वापस लिया। किसानों को खालिस्तानी, आतंकवादी, मवाली तक कहा। सत्तर साल में पहली बार। अचानक लाक डाउन करके हजारों किलोमीटर मजदूरों को पैदल दौड़ाया गया। सत्तर साल में पहली बार। पुलवामा में 50 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी मरे। कैसे? आज तक किसी को नहीं पता। यह सब सत्तर साल में पहली बार हुआ है।

मगर कोई कहने वाला नहीं। और ज्यादा सही यह है कि कोई कहे तो भी सुनने वाला कोई नहीं। गोदी मीडिया हर चीज का बचाव करती है। जनता को ही दोषी करार देती है। अभी दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर हुई भगदड़ के बाद आरपीएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अचानक प्लेटफार्म बदलने के कारण भगदड़ मची। और ये मौतें हुईं। मगर रेल मंत्रालय ने तत्काल इस रिपोर्ट का खारिज कर दिया।

अपनी कोई गलती मानने का सवाल ही नहीं। जनता की गलती थी। ऐसे ही प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ के लिए अभी तक कोई जिम्मेदारी तय नहीं हुई। उस पर भी विपक्ष पर निशाना साधा जा रहा है। जनता तो दोषी है ही। आज तक मरने वालों के सही आंकड़े नहीं बताए गए। बल्कि विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी उर्दू और मौलवी का विषय ले आए।

संक्षिप्त समाचार

सर्बिया में रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत

नोवी सैड, एजेंसी। सर्बिया के दूसरे सबसे बड़े शहर नोवी सैड में एक पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशन की छत गिरने से 15 लोगों की मौत के तीन माह बाद भी प्रदर्शन हो रहे हैं। दोषियों को सख्त सजा दिए जाने व मृतकों के परिजनों के लिए न्याय की मांग करते हुए रविवार को मध्य सर्बियाई शहर क्रागुजेवैक में करीब 15 हजार लोगों ने मोबाइल की फ्लैशलाइट व टॉर्च जलाकर प्रदर्शन किया।

इस साल जुलाई में ब्रिक्स की मेजबानी करेगा ब्राजील

ब्राजिलिया, एजेंसी। ब्राजील इस साल जुलाई में ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 6 और 7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जनेरियो में होने वाले इस सम्मेलन में भारत के अलावा चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश भाग लेंगे। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ब्राजील 2025 तक विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समूह की अध्यक्षता करेगा। इस दौरान वह वैश्विक शासन सुधार और ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारत, ब्राजील, रूस और चीन ने साल 2009 ने ब्रिक की स्थापना की थी। अगले साल 2010 में दक्षिण अफ्रीका इस संगठन से जुड़ा, जिसके बाद इसे ब्रिक्स कहा जाने लगा। पिछले साल ईरान, मिस्र, इथोपिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ब्रिक्स में शामिल हुए।

नेपाल में एक हफ्ते तक संसद में पेश नहीं होंगे 5 अध्यादेश

काठमांडू, एजेंसी। सरकार ने पांच अध्यादेशों को संसद में पेश किए जाने की योजना अगले हफ्ते तक टाल दी है। नेपाल सरकार ने 18 फरवरी को संसद के दोनों सदनों में अध्यादेश पेश करने की योजना बनाई थी, लेकिन सांसदों के राजधानी से बाहर होने के कारण अब इसे 23 फरवरी तक के लिए टाल दिया गया है। सत्ता पक्ष ने भूमि संबंधी अध्यादेश को छोड़कर बाकी पांच अध्यादेशों को संसद से पारित कराने की तैयारी की है। सत्तारूढ़ दल के प्रमुख सचेतकों की रविवार को हुई बैठक में विधेयकों को शीघ्र पारित कराने की रणनीति पर सहमति बनी। सिंह दरबार स्थित सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के कार्यालय में हुई बैठक में अध्यादेशों को पेश करने व उन्हें कार्यसूची में शामिल करने पर भी चर्चा हुई।

सिंगापुर की संसद में झूठ बोलने के दोषी पाए गए भारतवंशी नेता

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में एक भारतवंशी सांसद को सिंगापुर की संसद में झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है। भारतवंशी नेता प्रीतम सिंह ने संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही दी, इसके चलते प्रीतम सिंह को संसद सदस्यता से अयोग्य ठहराया जा सकता है और इस साल के आम चुनाव में उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लग सकती है। सिंगापुर की अदालत ने प्रीतम सिंह को दोषी माना है। सिंह पर एक अन्य सांसद के मामले में जांच कर रही संसदीय समिति के सामने झूठी गवाही देने का दोषी पाया गया है।

पूर्वी चीन में सछ्वान प्रांत से प्राकृतिक गैस की सप्लाई की परियोजना का निर्माण तेज

बीजिंग, एजेंसी। पूर्वी चीन में सछ्वान प्रांत से प्राकृतिक गैस की सप्लाई की दूसरी लाइन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की पूर्व खंड परियोजना का निर्माण तेजी से हो रहा है। यह चीन की 14वीं पंचवर्षीय योजना में प्रमुख ऊर्जा बुनियादी संस्थापन परियोजना है। बताया जाता है कि दूसरी लाइन की कुल लंबाई 4,269 कि।मी। है, जो सछ्वान, छोंगछिंग, हूपेई, आनह्वेई और चच्यांग प्रांत से गुजरती है। पूर्व खंड की लंबाई 2,698 कि।मी। है, जिसमें एक मुख्य लाइन, दो टाई लाइनें और तीन शाखा लाइनें शामिल हैं। पाइपलाइन का डिजाइन दबाव 10 एमपीए है और वार्षिक परिवहन 14 अरब घन मीटर है। अनुमान है कि दूसरी लाइन का निर्माण वर्ष 2027 में पूरा होगा। हाल के वर्षों में चीन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क और गैस भंडारण तथा पीक-शेविंग सुविधा के निर्माण को तेज कर रहा है। अंत :संबंधन परियोजनाओं में सुविधा आई, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की गई और उच्च गुणवत्ता वाले आर्थिक तथा सामाजिक विकास को सहायता दी गई। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 के अंत तक चीन में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन की लंबाई एक लाख 20 हजार किमी से अधिक है और मुख्य प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क 57 हजार कि.मी. से लंबा है।

हांगकांग में पांडा के जुड़वां शावकों के लिए नामकरण प्रतियोगिता शुरू

बीजिंग, एजेंसी। हांगकांग में पहले पांडा जुड़वां शावकों का जन्म 18 अगस्त 2024 को हुआ। छह महीने बाद 16 फरवरी को पांडा जुड़वां बच्चे हांगकांग के ओशन पार्क में सामने आए। छह महीने के पांडा जुड़वां शावक पेड़ की शाखाओं और घास पर चढ़ते और खेलते हुए बहुत प्यारे और मनमोहक लगते हैं। बताया जाता है कि जन्म के समय मादा पांडा शिशु का वजन लगभग 122 ग्राम है और नर पांडा शिशु का वजन लगभग 112 ग्राम है। ओशन पार्क की नर्सिंग टीम की देखभाल में अब दोनों का वजन 10 किलोग्राम से अधिक हो गया है। उनकी मां का नाम यिंगयिंग है, जो हांगकांग की चीन में वापसी की 10वीं वर्षगांठ के मौके पर केंद्र सरकार ने हांगकांग को दान किया है।

जर्मनी में एएफडी पार्टी सरकार बनाने की दौड़ में आगे

80 साल में पहली बार कट्टरपंथी पार्टी को बढ़त

पिछले चुनाव में सातवें नंबर पर थी, प्रचार में ट्रम्प का मॉडल अपनाया

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में 23 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। इस बार के चुनाव नतीजे बेहद दिलचस्प होने वाले हैं। चांसलर ओलाफ शुल्ज का सत्तारूढ़ एसडीपी गठबंधन प्री-पोल सर्वे में बुरी तरह से पिछड़ रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 80 साल में पहली बार कट्टरपंथी अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी (एएफडी) तेजी से आगे बढ़ी है।अभी एएफडी सरकार बनाने की रेस में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले चुनाव में ये पार्टी 7वें नंबर पर रही थी। एएफडी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव मॉडल पर प्रचार कर रही है। पार्टी का एजेंडा भी ट्रम्प की लाइन पर है। इस पार्टी ने जर्मनी फर्स्ट का नारा दिया है। एएफडी की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लग सकता है कि ये पार्टी हाल में हुए प्रांतीय चुनाव में पांच में से दो प्रांतों में बहुमत हासिल कर चुकी है। संघीय चुनावों में भी इस बार एएफडी को रिकॉर्ड वोट मिलने की संभावना है।

एएफडी युवाओं में लोकप्रिय, प्रवासियों पर सख्ती

एएफडी युवाओं में बेहद लोकप्रिय है। 50 साल से कम उम्र के लगभग 70 प्रतिशत वोटर एएफडी को वोट देने की बात कह रहे हैं। जर्मनी में कुल लगभग 6 करोड़ वोटर हैं। एएफडी की नेता एलिस वीडल

भारतीयों पर असर-स्किल और स्टूडेंट वीसा में कटौती की आशंका

एएफडी की जीत भारतीय हितों पर भारी पड़ सकती है। हाल ही में जर्मनी ने इस साल से भारतीयों को चार गुना अधिक स्किल वीसा जारी करने का ऐलान किया है। जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज ने अक्टूबर में अपनी भारत यात्रा के दौरान कहा था कि हमारे देश को भारतीय टैलेंट की जरूरत है।लेकिन इन चुनावों में कट्टरपंथी एएफडी पार्टी को जीत मिलती है तो उसकी जर्मनी फर्स्ट की नीति के तहत जर्मन लोगों को पहले जॉब ऑफर किए जाएंगे। फिलहाल जर्मनी हर साल 20 हजार भारतीयों को स्किल वीसा जारी करता है। शुल्ज ने इसे बढ़ाकर 80 हजार करने की बात कही थी। अभी जर्मनी में 2 लाख 85 हजार भारतीय रहते हैं।एएफडी की सरकार बनने के बाद वर्क वीसा और परमानेंट रेजिडेंसी में भी दिक्कत आ सकती है। जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। 2021 में जहां 25 हजार भारतीय छात्र थे, ये संख्या 2024 में बढ़ कर लगभग दो गुनी हो गई है। जर्मनी में भारतीय छात्र यूरोप में दूसरे नंबर पर हैं। पहले नंबर पर भारतीय छात्र ब्रिटेन में हैं।

प्रवासियों के मुद्दे पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं। उनका एजेंडा प्रवासियों को वीसा देने में कटौती करना और यूरोपीय यूनियन के साथ संबंधों पर फिर से विचार करना है। यानी एएफडी यदि सरकार बनाने में सफल रहती है तो अमेरिका के साथ संबंधों को बढ़ाएगी। एलिस की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए सीडीयू के फेडरिच मर्ज और एसडीपी के ओलाफ शुल्ज भी अब प्रवासियों को वीसा में कटौती के मुद्दे को उठा रहे हैं।

पुतिन और मस्क एएफडी पार्टी को समर्थन दे रहे हैं

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क कट्टरपंथी एएफडी पार्टी को खुला समर्थन दे रहे हैं। पुतिन का कहना है कि एएफडी के सत्ता में आने से रूस के जर्मनी के साथ संबंध और बेहतर होंगे। जबकि मस्क का कहना है कि एएफडी की जीत से जर्मनी यूरोप में फिर से शक्तिशाली देश के रूप में उभरेगा। पुतिन-मस्क के समर्थन से एएफडी की लोकप्रियता बढ़ रही है। चुनाव में पहली बार भारतवंशी भी मैदान में हैं। सिद्धार्थ मुद्गल सीएसयू पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुख्य मुद्दा जर्मनी की इकोनॉमी को और बेहतर बनाकर यहां के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

चीन के शनचन शहर में उपलब्धि एक्सपो शुरू

बीजिंग, एजेंसी। चीनी विज्ञान अकादमी के शनचन उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान ने हाल में क्वांगतोंग प्रांत के शनचन शहर में उपलब्धि एक्सपो शुरू किया। परीक्षण संचालन के पहले हफ्ते अनुबंध की राशि 58 लाख युआन तक पहुंच गई। उपलब्धि एक्सपो में एआई और बायोमेडिसिन समेत वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की सात श्रेणियों को अलग-अलग रंगों से चिह्नित किया गया है। छोटे कार्ड पर अनुसंधान परियोजना के बारे में सरल जानकारी लिखी गई है। इस बारे में रुचि रखने वाले आगंतुक अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन से स्कैन कर सकते हैं।

अतीत में, जब कंपनियां तकनीकी समाधान ढूंढ़ना चाहती थीं, तो वे ऑनलाइन ढूंढती थीं। लेकिन ऑनलाइन पर जानकारी विशाल और जटिल हैं और ऑफलाइन शोध में अधिक समय लगता है। इस तरह के उपलब्धि एक्सपो में कंपनियां न केवल एकीकृत रूप से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान परिणाम की जानकारी प्राप्त कर सकती हैं, बल्कि अनुसंधान टीम के साथ सीधे संपर्क कर सकती हैं और जल्दी से सहयोग के इरादे तक पहुंच सकेंगी। बताया जाता है कि परीक्षण संचालन के पहले हफ्ते अनुबंध की राशि 58 लाख युआन तक पहुंच गई। आने वाले समय में उपलब्धि एक्सपो की क्षमता लगातार उन्नत होगी, ताकि अधिकाधिक वैज्ञानिक नवाचार प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंच सके।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने कांगो के खनिज समृद्ध पूर्वी क्षेत्र के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा किया

बुकावु (कांगो), एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगों में रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने खनिज समृद्ध पूर्वी कांगो के दूसरे प्रमुख शहर पर कब्जा कर लिया है। विद्रोही समूह 'एम23' ने पुष्टि की है कि उसके लड़ाके बुकावु शहर में हैं और कांगो की सेना के शहर से जाने के बाद उन्होंने यहां की सुरक्षा व्यवस्था संभालने का जिम्मा लिया है। 'द कांगो रिवर अलायंस' ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने 13 लाख की आबादी वाले शहर बुकावु में सुरक्षा चुनौतियों को हल करने और ''बुकावु की जनता की सहायता करने का निर्णय लिया है।'' 'द कांगो रिवर अलायंस' विद्रोही समूहों का संगठन है जिसमें 'एम23' भी शामिल है। संगठन के प्रवक्ता लॉरेंस कान्यूका ने एक बयान में कहा, ''हमारे बल लोगों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए काम कर रहे हैं, जिससे पूरी आबादी संतुष्ट है।'' ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी बलों ने विद्रोहियों से कोई खास संघर्ष नहीं किया और यहां एक भी सैनिक मौजूद नहीं है। शनिवार को हजारों नागरिकों के साथ कई सैनिक भागते हुए देखे गए थे। 'एम23' के एक चरमपंथी बर्नार्ड महेशे बयामुंगू ने बुकावु में दक्षिण किवु के गवर्नर कार्यालय के सामने खड़े होकर निवासियों से कहा कि वे ''जंगल'' में रह रहे हैं। उसने कहा,'' हम पुराने शासन की अव्यवस्था को दुरुस्त करने जा रहे हैं।

ट्रंप के विदेशी सहायता रोके जाने से मर सकते हैं एड्स के लाखों मरीज, यूएन की चेतावनी

अदिस अबाबा, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही जो शुरुआती फैसले लिए, उनमें अमेरिका द्वारा दुनिया भर में दी जाने वाली विदेशी सहायता पर रोक का फैसला प्रमुख था। अब इस फैसले का असर दिखना शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एड्स प्रोग्राम की निदेशक विनी ब्यानिमा ने चेतावनी दी है कि अमेरिका द्वारा विदेशी सहायता रोके जाने से दुनिया भर में एड्स के लाखों मरीज मर सकते हैं।

अमेरिका, दुनिया में विदेशी सहायता का सबसे बड़ा प्रदाता

अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र के लिए विदेशी सहायता का दुनिया में सबसे बड़ा प्रदाता है। यह मदद अमेरिका अपने एजेंसी संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के द्वारा करता रहा है। जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप ने यूएसएआईडी के तहत दी जाने वाली विदेशी सहायता तीन महीने के लिए रोक दी है। इससे मानवीय मदद के कामों पर बड़ा असर पड़ा है। यूएनएआईडीएस की कार्यकारी निदेशक विनी ब्यानिमा ने बताया कि अगर विदेशी सहायता के तहत मिलने वाली निधि अगर खत्म हो जाती है, तो लोग मर जाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एड्स से मृत्यु दर दस गुना तक बढ़ सकती है।

अफ्रीका में बिगड़ सकते हैं हालात :

फाउंडेशन फॉर एड्स रिसर्च के विश्लेषण के अनुसार, अमेरिकी मदद से दो करोड़ से अधिक एचआईवी रोगियों और 270,000 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद होती है। अगर विदेशी मदद रुकती है तो इससे पांच वर्षों में एड्स से दस गुना अधिक करीब 63 लाख लोगों की मौत हो सकती है। हालांकि अमेरिका ने जीवन रक्षक उपचार की दवाओं में रोक से छूट दी है, लेकिन अफ्रीका में ये सुविधाएं भी बंद हो चुकी हैं। इथियोपियाई राजधानी अदीस अबाबा में अफ्रीकी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए ब्यानिमा ने ये बात कही। साल 1961 में अमेरिका ने यूएसएआईडी की शुरुआत की थी। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से ज्यादा है। फिलहाल ट्रंप ने इस पर तीन महीने की रोक लगा दी है। समीक्षा के बाद इसके तहत होने वाली कुछ फंडिंग को फिर से शुरू किया जा सकता है।

इयाल जमीर बने इजराइली सेना के चीफ ऑफ स्टाफ

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली सरकार ने रविवार को मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) इयाल जमीर को इजराइली रक्षा बलों के अगले चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में नियुक्त करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी। जमीर लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी की जगह लेंगे, जिन्होंने 21 जनवरी को घोषणा की थी कि वे सेना की 7 अक्टूबर की विफलताओं के कारण इस्तीफा दे देंगे। हलेवी 5 मार्च को पद छोड़ने वाले हैं।

जमीर, 59, का जन्म और पालन-पोषण ईलाट में हुआ। वे आर्मर्ड कोर में अपना करियर शुरू करने के लिए चीफ ऑफ स्टाफ बनेंगे। 1984 में सेना में शामिल होने के बाद वे एक टैंक कमांडर बन गए, धीरे-धीरे रैंक चढ़ते गए। आखिरकार उन्हें 2012-2015 तक नेतन्याहू के सैन्य सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। वाशिंगटन स्थित वाशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी में विजिटिंग रिसर्च फेलो बनने से पहले 2018 से 2021 तक वे डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ थे।

जमीर को 2018 और 2022 में चीफ ऑफ स्टाफ के लिए भी विचार किया गया था। 2023 में, उन्हें रक्षा मंत्रालय का महानिदेशक नियुक्त किया गया। उनके पास तेल अवीव और हाइफा विश्वविद्यालयों से

भी डिग्री है और वे व्हार्टन विश्वविद्यालय के सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम के स्नातक हैं। आईडीएफ चीफ ऑफ़ स्टाफ़ तीन साल के लिए काम करता है, जिसमें एक साल का विस्तार भी संभव है। अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले पद छोड़ने वाले आखिरी चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट-जनरल थे।

डैन हलुट्ज, जिन्होंने 2006 के दूसरे लेबनान युद्ध के दौरान आईडीएफ की विफलताओं के कारण 2007 में इस्तीफा दे दिया था। राजनीतिक और सैन्य विफलताओं की जांच के लिए सरकार द्वारा एक स्वतंत्र जांच आयोग नियुक्त करने की मांग बढ़ रही है। ऐसे आयोगों के पास गवाहों को बुलाने और सबूत इकट्ठा करने का व्यापक अधिकार होता है और इनका नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट के एक वरिष्ठ न्यायाधीश करते हैं।इनमें जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों के बारे में व्यक्तिगत सिफारिशें शामिल हो सकती हैं, हालांकि सरकार सिफारिशों पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य नहीं है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि एक स्वतंत्र आयोग की नियुक्ति युद्ध के बाद ही की जानी चाहिए। पिछले राज्य जांच आयोग ने, जिसने इजराइल की सबसे खराब नागरिक आपदा (मेरोन पर्वत पर एक पवित्र स्थल पर भगदड़ जिसमें 45 लोग मारे गए थे) की जांच की थी, अप्रैल में जारी एक रिपोर्ट में नेतन्याहू को इस त्रासदी के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया था।

ट्रंप ने हटाए प्रतिबंध, इजराइल पहुंची अमेरिकी बमों की बड़ी खेप

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के बीच संबंधों में काफी बदलाव आए हैं। ये बदलाव डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद हुआ है। ट्रंप ने बाइडेन प्रशासन द्वारा इजराइल को हथियारों की आपूर्ति करने पर लगाई गई रोक को पलट दिया। इस फैसले के बाद अमेरिका ने इजराइल को एमके-84 जैसे भारी बमों की आपूर्ति की है। हालांकि, इस समय इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम लागू है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इजराइल के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका द्वारा हाल ही में हथियारों की आपूर्ति पर लगी रोक को हटा लिया गया है। इसके बाद इजराइल को अमेरिकी एमके-84 बमों की आपूर्ति की गई। एमके-84 एक विशेष प्रकार का बम है जो लक्ष्यों को भेदने और अपनी भारी विस्फोट शक्ति से व्यापक क्षति पहुंचाने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में कहा कि हथियारों की यह खेप शनिवार देर रात इजराइली बंदरगाह अशदोद पहुंची और इसे रात भर में उतार कर गनतव्य तक पहुंचा दिया गया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार मंत्रालय द्वारा जारी वीडियो फुटेज में शिपिंग कंटेनरों को दर्जनों ट्रकों पर लादते हुए दिखाया गया। मंत्रालय के अनुसार बमों को इजरायल की वायु सेना के ठिकानों तक पहुंचाया गया। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने

गाजा पट्टी के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में उनके संभावित उपयोग और प्रभाव के बारे में चिंताओं के कारण इजरायल को एमके-84 बमों की डिलीवरी को निलंबित कर दिया था।

गाजा में अक्टूबर 2023 से इजरायली बमबारी और जमीनी हमलों में हजारों लोग मारे गए।इसी बयान में इजराइली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि लेटेस्ट शिपमेंट वायुसेना और आईडीएफ (इजरायल रक्षा बलों) के लिए एक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन को बमों की आपूर्ति करने और इजरायल के प्रति उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इजरायल के रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से, 678 एयरलिफ्ट और 129 समुद्री शिपमेंट के माध्यम से 76,000 टन से अधिक सैन्य उपकरण इजराइल पहुंचे हैं।

हमास का सफाया किया जाना चाहिए, गाजा में अस्थिर युद्धविराम पर संदेह और बढ़ा : रुबियो

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा पट्टी में इजराइल के युद्ध उद्देश्यों का पूर्ण समर्थन करते हुए कहा कि हमास को 'खत्म किया जाना चाहिए' क्योंकि इसने अस्थिर युद्धविराम के भविष्य पर संदेह खड़ा कर दिया है। रुबियो ने क्षेत्रीय दौरे की शुरुआत में यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की, जहां उन्हें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गाजा पट्टी से फलस्तीनी आबादी को स्थानांतरित करने और अमेरिकी स्वामित्व के तहत इसे पुनर्विकसित करने के प्रस्ताव पर अरब नेताओं से प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है।

नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और कहा कि गाजा के भविष्य के लिए उनके व ट्रंप के पास एक 'साझा रणनीति' है। नेतन्याहू ने ट्रंप की बात दोहराते हुए कहा कि अगर हमास सात अक्टूबर 2023 को किये हमले में अपहृत दर्जनों

बंधकों को रिहा नहीं करता है, तो 'नरक के द्वार खुल जाएंगे'। इजराइल के प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी युद्धविराम के पहले चरण के समाप्त होने से ठीक दो सप्ताह पहले आई है। दूसरे चरण पर हालांकि अब तक बातचीत नहीं हुई है, जिसमें हमास को अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले में दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करना है। रुबियो ने कहा कि हमास 'सैन्य या सरकारी बल के रूप में मौजूद नहीं रह सकता'। रुबियो ने कहा, जब तक यह (हमास) शासन-प्रशासन के रूप में एक ताकत बनकर खड़ा है तब तक शांति असंभव है। इसे मिटा दिया जाना चाहिए।

इस तरह की हमास के साथ बातचीत जारी रखने के प्रयासों को जटिल बना सकती है, जो युद्ध में भारी नुकसान उठाने के बावजूद कायम है और गाजा पर इसका नियंत्रण बरकरार है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया कि उसने रविवार तड़के दक्षिणी गाजा में उसकी सेना के पास आने वाले लोगों पर हवाई हमला किया। हमास द्वारा संचालित आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब पुलिसकर्मी मिस्र की सीमा पर राफा के पास सहायता ट्रकों के प्रवेश को सुरक्षित कर रहे थे। मंत्रालय के मुताबिक, हमले में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी।

गाजा में इजरायल की नीतियों का स्पष्ट समर्थन करने के लिए अमेरिका का धन्यवाद करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि उनकी और ट्रंप की एक समान रणनीति है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि हम हमेशा इस रणनीति का विवरण सार्वजनिक नहीं कर सकते, जिसमें यह भी शामिल है कि हम कब कड़े कदम उठाएंगे, क्योंकि हम तब तक ऐसा करेंगे जब तक हमारे सभी बंधक रिहा नहीं हो जाते।

नेतन्याहू ने ईरान के मामले में अमेरिका-इजरायल समन्वय पर भी जोर दिया। कहा कि दोनों देश तेहरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों का सामना करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश इस बात पर सहमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए और क्षेत्र में ईरान की आक्रामकता को रोकना होगा। रुबियो ने अपनी टिप्पणी में कहा कि गाजा में अभी भी बंधक बनाए गए लोगों को घर लौटने की जरूरत है, उन्हें रिहा किया जाना चाहिए।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

हेक्सावेयर टेक ने 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ स्टॉक मार्केट में की शुरुआत

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनी हेक्सावेयर टेक के शेयर ने आज 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ घरेलू स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 708 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर कंपनी के शेयर 731 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 745 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 8.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 768.35 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर 8.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ 768.90 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। हेक्सावेयर टेक का 8,750 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.79 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा किसी भी कैटेगरी में इसे पूरा सब्सक्रिप्शन नहीं मिल सका था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.21 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 0.11 गुना और एम्पलाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.33 गुना सब्सक्राइब हुए थे।

स्टॉक मार्केट में वोलर कार की फीकी शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट लेवल तक पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। मल्टीनेशनल कंपनीज और कॉर्पोरेट क्लायंट्स को एम्पलाई ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज (ईटीएस) की सुविधा उपलब्ध कराने वाली कंपनी वोलर कार ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी लिस्टिंग के जरिए अपने आईपीओ निवेशकों को जोरदार झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 90 रुपये के भाव पर ही हुई। मार्केट में एंट्री होने के थोड़ी देर बाद ही ये शेयर उछल कर 92.90 रुपये के स्तर पर पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता लगा दिया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 5 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। वोलर कार का 27 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 13.62 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 9.34 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 18.56 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 13.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

एएससीआई और ऑनलाइन गेमिंग उद्योग सट्टेबाजी विज्ञापनों के खिलाफ एकजुट

मुंबई। भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) ने अवैध ऑफशोर सट्टेबाजी और जुए के विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए भारतीय फैंटेसी स्पोर्ट्स महासंघ (एफआईएफएस), अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी एक विशेष निगरानी प्रकोष्ठ स्थापित करेगी, जो संबंधित मंत्रालयों को अवैध विज्ञापनों की स्क्रीनिंग और रिपोर्टिंग पर केंद्रित होगी। इसके अलावा यह प्रकोष्ठ रियल-मनी गेमिंग (आरएमजी) विज्ञापनों की भी जांच करेगा ताकि वे एएससीआई के दिशा-निर्देशों का पालन करें। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों की पहचान कर नियामकों तक पहुंचाना और आरएमजी उद्योग के अनुपालन को मजबूत करना है। यह समझौता ज्ञापन 02 जनवरी 2025 से प्रभावी रहेगा। समझौते के लागू होने के बाद से एएससीआई ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय को 413 ऑफशोर सट्टेबाजी विज्ञापनों को रिपोर्ट किया है ।

भारत निर्यातकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बना रहा है : जितिन प्रसाद

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने आज यहां कहा कि भारत सरकार भविष्य में आने वाली बाधाओं और चुनौतियों पर विचार कर रही है और उसके अनुरूप रणनीति तैयार कर रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे निर्यातकों और विशेषकर भारतीय नागरिकों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने देशों की संरक्षणवादी व्यापार नीति से उत्पन्न संभावित चुनौतियों का भी उल्लेख किया। ईईपीसी इंडिया के 54वें राष्ट्रीय पुरस्कार और चौथे गुणवत्ता पुरस्कार समारोह में अपने संबोधन में मंत्री ने कहा, भारत आगे बढ़ रहा है। हमारे पास 1.4 बिलियन का बाजार है। हम एफटीए को समान स्तर पर आगे बढ़ा रहे हैं। हमारे पास न केवल वे संख्याएं हैं, जिनके बारे में लोग बात करते थे बल्कि हमारे पास एक महत्वाकांक्षी खर्च करने वाली आबादी है। हम भारत के हित में और हमारे निर्यातकों के हित में सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करेंगे। हम अब किसी भी दबाव में नहीं झुकेंगे। हम इससे कम पर समझौता नहीं करेंगे। समारोह में आज 33 उत्पाद समूहों के 106 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और 4 श्रेणियों में 14 गुणवत्ता पुरस्कार विजेता शामिल हुए। इनमें महारत्न-बीएचईएल, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील, जेएसडब्ल्यू, पोस्को महाराष्ट्र जैसी इस्पात दिग्गज कंपनियां, ईपीसी परियोजना प्रमुख- लार्सन एंड टूब्रो, प्रसिद्ध रक्षा उपकरण निर्माता- बीईएमएल, ऑटोमोबाइल उद्योग के सितारे- इसुजु मोटर्स, टोयोटा किर्लोस्कर, एकीकृत ऊर्जा समाधान प्रदाता- तोशिबा ट्रांसमिशन शामिल हैं। ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने कहा, इस वर्ष हम वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 106 विजेताओं की एक टीम को 106 पुरस्कारों से पुरस्कृत कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर रहा, जिसमें इंजीनियरिंग निर्यात पहली बार 100 बिलियन अमरीकी डॉलर को पार कर गया, जो प्रभावशाली 112 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निर्यातक समुदाय के लचीलेपन, अनुकूलनशीलता और नवाचार को दर्शाती है। भविष्य के मद्देनजर सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इंजीनियरिंग निर्यात में 118 बिलियन अमरीकी डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसका लक्ष्य एक और रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन करना है। निर्यातक समुदाय इस अवसर पर आगे बढ़ेगा और इस लक्ष्य को वास्तविकता बनाएगा, जिससे इंजीनियरिंग निर्यात में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। चड्ढा ने निर्यातक समुदाय के सामने आने वाली कुछ चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने एमएसएमई के लिए निर्यात ऋण की लागत को कम करने और उन्हें उच्च स्टील की कीमतों से बचाने के उपायों का आह्वान किया, जो स्टील पर 20-25फीसदी की सीमा में आसन्न सुरक्षा शुल्क के परिणामस्वरूप हो सकता है।

भारी उद्योग मंत्रालय ने रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय ने देश के उन्नत बैटरी विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़े कदम के रूप में उन्नत रसायन सेल (एसीसी) को लेकर उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड (रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के साथ एक कार्यक्रम समझौते पर हस्ताक्षर किए। सोमवार को हुआ यह समझौता एक प्रतिस्पर्धी वैश्विक निविदा प्रक्रिया के बाद रिलायंस न्यू एनर्जी बैटरी लिमिटेड को 10 गीगावाट घंटा एसीसी क्षमता प्रदान करता है और इसे भारत की 18,100 करोड़ रुपये की पीएलआई एसीसी योजना के तहत प्रोत्साहन प्राप्त करने योग्य बनाता है।यह समझौता मई 2021 में मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत ÷उन्नत रसायन सेल बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम÷ पर प्रौद्योगिकी पीएलआई योजना के कार्यान्वयन में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका कुल परिव्यय 18,100 करोड़ रुपये है, जिसका उद्देश्य 50 गीगावाट घंटा की कुल विनिर्माण क्षमता हासिल करना है। इस हस्ताक्षर के साथ, 50 गीगावाट घंटा क्षमता में से चार चयनित लाभार्थी फर्मों को 40 गीगावाट घंटा की संचयी क्षमता प्रदान की गई है। मार्च 2022 में आयोजित निविदा के पहले दौर में, तीन लाभार्थी फर्मों को कुल 30 गीगावाट घंटा क्षमता आवंटित की गई थी, और उस दौर के लिए कार्यक्रम समझौतों पर जुलाई 2022 में हस्ताक्षर किए गए थे। भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समारोह के दौरान इस बात पर जोर दिया कि पीएलआई एसीसी योजना स्थानीय मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है ।

एक्शन में सेबी, 19 एफवीसीआई का रजिस्ट्रेशन रद्द

एजेंसी
नई दिल्ली। मार्केट कंट्रोलर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 19 फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स (एफवीसीआई) के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए उनका रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। आरोप है कि ये फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स अपने रजिस्टर्ड एड्रेस से कारोबार नहीं कर रहे थे। इसके साथ ही इन पर नियमित तौर पर तिमाही रिपोर्ट फाइल नहीं करने का भी आरोप है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, सेबी की जांच में इस बात का पता चला कि सभी 19 आरोपी फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स ने 2013 से लेकर 2023 के बीच अपने रजिस्टर्ड ऐड्रेस से काम करना बंद कर दिया था। इन कंपनियों का रजिस्टर्ड ऐड्रेस सिंगापुर, मॉरीशस और साइप्रस में है। आरोप है कि इन 19 एफवीसीआई में से 6 ने कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। इसी तरह चार ने 2012-13 के बाद से कभी भी अपनी तिमाही रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। सेबी ने जिन एफवीसीआई पर कार्रवाई की है, उनमें एक्सिस इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर होल्डिंग्स, एक्सिस कैपिटल मॉरिशस, ब्लैकस्टोन कैपिटल पार्टनर्स और ब्लैकस्टोन फैमिली इंवेस्टमेंट पार्टनरशिप जैसे बड़े वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स के नाम भी शामिल हैं। सेबी की ओर से आज जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि जांच में ये तथ्य सामने आया है कि जिन एफवीसीआई को नोटिस भेजा गया था, उनमें से कोई भी वेंचर कैपिटल इन्वेस्टिंग से जुड़ी एक्टिविटी नहीं कर रहा था। इससे इस बात का संकेत मिलता है कि रजिस्टर्ड फॉरेन वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर के तौर पर आगे काम करने में इनकी दिलचस्पी नहीं बची है। सबसे बड़ी बात तो ये है कि जब इन एफवीसीआई ने रजिस्टर्ड एड्रेस पर काम बंद किया तो उन्होंने इसकी जानकारी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया को भी नहीं दी, जबकि नियमानुसार ऐसा करना आवश्यक था।

द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन

एजेंसी
नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान भारतीय उद्योग परिसंघ ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के साथ साझेदारी में आज यहां भारत-कतर संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन किया। संयुक्त व्यापार मंच में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने मुख्य भाषण किया। संयुक्त बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विकसित भारत विजन के अनुरूप 2047 तक 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा की पुष्टि की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर सफल ऊर्जा व्यापार का एक लंबा इतिहास साझा करते हैं लेकिन इस साझेदारी का भविष्य हाइड्रोकार्बन से आगे बढ़कर एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, आईओटी और सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों तक फैला हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे भू-राजनीतिक गतिशीलता बदलती है और साइबर सुरक्षा के खतरे बढ़ते हैं। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के साथ-साथ आत्मनिर्भरता एक प्रमुख प्राथमिकता बन गई है। प्रत्येक देश के पास अलग-अलग प्रतिस्पर्धी लाभ होने के कारण उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और कतर एक-दूसरे की ताकत को पूरक बनाने की स्थिति में हैं और नवाचार को आगे बढ़ाने और कल के उद्योगों को आकार देने में भागीदार हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश परिवर्तनकारी बदलाव की ओर अग्रसर हैं, इसलिए यह साझेदारी उद्यमशीलता, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के स्तंभों पर टिकी होगी। उन्होंने व्यापार करने की लागत को कम करने और व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ाने में भारत के प्रमुख सुधारों पर प्रकाश डालते हुए इसे वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीयता और स्थिरता के नखलिस्तान के रूप में स्थापित किया। कतर को भारत की गतिशील और लचीली अर्थव्यवस्था में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विजन 2047 और कतर का राष्ट्रीय विजन 2030 रणनीतिक आर्थिक सहयोग के एक नए युग को आकार देगा। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रों पर एक संयुक्त कार्य समूह बनाने का भी सुझाव दिया और कतरी व्यवसायों को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (जीआईएफटी सिटी) में अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कतर और भारत के बीच संबंध केवल एक लेन-देन नहीं है, यह आपसी सम्मान, साझा हितों और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता पर आधारित एक परंपरा है। भारत-कतर व्यापार साझेदारी भारत के कतर का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनने के साथ ही फली-फूली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कतर एक विविधतापूर्ण, गतिशील और निवेशक-अनुकूल गंतव्य बना हुआ है। उन्होंने भारतीय निवेशकों को कतर की अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे के भीतर विशाल अवसरों का पता लगाने के लिए गर्मजोशी से आमंत्रित किया।

फ़ाइब-मिलेनियल अपग्रेड इंडेक्स लॉन्च किया

नई दिल्ली। भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है और यहां 30 करोड़ से ज़्यादा युवा हैं। देश के युवाओं के कई सपने और महत्वाकांक्षाएं हैं जिन्हें वे पूरा करने चाहते हैं। भारत की अग्रणी फिनटेक कंपनी फाइब (Fibe) ने अपना फ़ाइब-मिलेनियल अपग्रेड इंडेक्स लॉन्च किया है, जिसमें युवा भारतीयों की महत्वाकांक्षाओं पर जानकारीपूर्ण डेटा दिया गया है। इसमें मेट्रो एवं नॉन मेट्रो शहरों में रहने वाले युवाओं के अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के लक्ष्य शामिल हैं।

इस स्टडी से पता चलता है कि अपना घर खरीदना (41%), उद्यमशीलता (21%), और वित्तीय स्वतंत्रता (19%) भारतीय युवाओं (मिलेनियल्स) के तीन सबसे अहम दीर्घकालिक लक्ष्य हैं। खास बात ये है कि घर खरीदने की इच्छा रखने वाले 41% से अधिक लोग 30 वर्ष से कम आयु के हैं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत में महानगरों की तुलना दूसरे इलाकों के ज्यादा युवा अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। ये युवा जीवन में अधिक संतुष्टि और स्थिरता, पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने और सामाजिक मान्यता प्राप्त करने के लिए इन दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं।

बड़ी बात यह है कि यह स्टडी भारत में महिलाओं की बढ़ती आकांक्षाओं पर प्रकाश डालती है, जिससे पता चलता है कि अविवाहित महिलाएं, अविवाहित पुरुषों की तुलना में घर खरीदने की अधिक महत्वाकांक्षा रखती हैं। इसके अलावा, अविवाहित महिलायें (70%) विवाहित महिलाओं (58%) की तुलना में अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए ज्यादा इच्छुक हैं।

इस सर्वे से यह भी पता चलता है कि मेट्रो में रहने वाले युवा बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण बेहतर नौकरी पाने को लेकर अधिक परेशान हैं। मेट्रोज के 60% उत्तरदाताओं ने इसे अपना एक प्रमुख लक्ष्य बताया है। इस स्टडी से पता चलता है कि अल्पावधि में, युवा पीढ़ी के लिए शीर्ष चार प्राथमिकताएं अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाना, परिवार के लिए सुविधाएं जुटाना और जीवन में नई चीजों का अनुभव करना हैं।

फाइब के को-फाउंडर और सीईओ अक्षय मेहरोत्रा ने कहा, भारत के युवाओं को सशक्त बनाना बहुत जरूरी है और हमारे देश की आर्थिक प्रगति के लिए एक बड़ा उत्प्रेरक है।

मैक्सवोल्ट एनर्जी की स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद शेयरों में गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी मैक्सवोल्ट एनर्जी ने आज स्टॉक मार्केट में फीकी एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 180 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना उतार-चढ़ाव के 180 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 178 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही नुकसान होता हुआ नजर आ रहा है। मैक्सवोल्ट एनर्जी का आईपीओ 12 से 14 फरवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 6.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.45 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 45.20 करोड़ रुपये के 24 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके साथ ही 10.80 करोड़ रुपये के 6 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज का भुगतान करने, प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, कैपिटल एक्सपेंडिचर की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ट्राइफेड और टी ट्रंक ने जनजातीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी
नई दिल्ली।आदिवासी उत्पादों की बाजार पहुंच का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) ने बेहतरीन भारतीय चाय की पत्तियों और अद्वितीय मिश्रणों के घर टी ट्रंक के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की है। इस बारे में सोमवार को यहां एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो मुख्यधारा के खुदरा बाजार में आदिवासी उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बहुत बड़े ग्राहक आधार को पूरा करता है। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 16 से 24 फरवरी

2025 तक चल रहे प्रमुख कार्यक्रम 'आदि महोत्सव' के दौरान केंद्रीय जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और ट्राइफेड के प्रबंध निदेशक आशीष चटर्जी की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान ट्राइफेड के महाप्रबंधक संदीप पहलवान और टी ट्रंक की संस्थापक और सीईओ सुश्री स्निग्धा मनचंदा के बीच हुआ। इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य टी ट्रंक की बाजार उपस्थिति का लाभ उठाकर और अपने मौजूदा ग्राहक आधार को उत्पादों की व्यापक पसंद प्रदान करके आदिवासी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह सहयोग आदिवासी उत्पादकों के लिए सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करेगा और उन्हें कौशल विकास और क्षमता निर्माण के अवसर प्रदान करेगा। ट्राइफेड बड़े महानगरों और राज्य की राजधानियों में आदिवासी मास्टर-शिल्पकारों और महिलाओं को सीधे बाजार तक पहुंच प्रदान करने के लिए ÷आदि महोत्सव ङ्क राष्ट्रीय जनजातीय महोत्सव÷ का आयोजन कर रहा है। इस महोत्सव का विषय है उद्यमिता, आदिवासी शिल्प, संस्कृति, भोजन और वाणिज्य की भावना का उत्सव, जो आदिवासी जीवन के मूल लोकाचार का प्रतिनिधित्व करता है।

एपीडा ने बायोफैच 2025 में भारत की जैविक विरासत को किया प्रदर्शित

एजेंसी
नई दिल्ली। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर हुए थे। इसका उद्देश्य भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाने का है।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि भारत की समृद्ध कृषि विरासत और टिकाऊ खेती की बढ़ती मांग के उपलक्ष्य में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जर्मनी के नूर्नबर्ग में मेसजेंट्रम में 11 से 14 फरवरी, 2025 तक आयोजित बायोफैच 2025 में भारत मंडप के तहत भारतीय निर्यातकों की भागीदारी का आयोजन किया गया था। बायोफैच 2025 में एपीडा इंडिया मंडप का उद्घाटन म्यूनिख में भारत के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने किया था। मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में 11 फरवरी 2025 को एपीडा और नूर्नबर्ग मेसे के बीच एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर भी हुए, जिससे भारत को बायोफैच 2026 में वर्ष का भागीदार देश बनाया जा सके। इस आशय पत्र पर नूर्नबर्ग मेसे के प्रबंधन बोर्ड की उपाध्यक्ष और सदस्य विक्टोरिया वेहसे और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने म्यूनिख में भारतीय महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत शत्रुघ्न सिन्हा की उपस्थिति में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। यह हस्ताक्षर भारत और बायोफैच के बीच लंबे समय से चली आ रही साझेदारी में एक निर्णायक था, जिसमें भारत ने पहले 2012 में प्रतिष्ठित भागीदार देश का खिताब अपने नाम किया था। यह भारत के लिए अगले साल इस वैश्विक कार्यक्रम में सुर्खियों में आने और बायोफैच 2026 में दुनिया के लिए जैविक खाद्य टोकरी के रूप में भारत की ताकत पेश करने का मंच भी तैयार करता है। उन्होंने बताया कि भारत के जैविक खाद्य उत्पादों और पेशकशों की विविधता को प्रदर्शित करने के लिए एपीडा ने निर्यातकों, एफपीओ और राज्य सरकार के संगठनों सहित 20 से अधिक सह-प्रदर्शकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की, जिन्होंने चावल, तिलहन, जड़ी-बूटियां, मसाले, दालें, काजू, अदरक, हल्दी, बड़ी इलायची, दालचीनी, आम प्यूरी, आवश्यक तेलों जैसे उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में न केवल भारत की कृषि क्षमता को दर्शाया गया।

सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में रिलायंस की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में लगातार चौथे वर्ष बादशाहत बरकरार रखी है। एक्सिस बैंक के प्राइवेट बैंकिंग बिजनेस बरगंडी प्राइवेट और हुरुन इंडिया की जारी भारत की 500 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची के चौथे संस्करण '2024 बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500' रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉप तीन सबसे मूल्यवान कंपनियों में 12 प्रतिशत की वृद्धि से 17.5 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसके बाद 30 प्रतिशत की वृद्धि से 16.1 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और 26 प्रतिशत की वृद्धि से 14.2 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ एचडीएफसी बैंक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लगातार चौथे साल बरगंडी प्राइवेट हुरुन इंडिया 500 में शीर्ष स्थान पर अपनी बादशाहत जारी रखे हुए है। 17.5 लाख करोड़ रुपए के मूल्य के साथ, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्य टीसीएस से कम से कम 1.9 लाख करोड़ रुपए अधिक है।

बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि आज के कारोबार के दौरान एक बार फिर घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के बावजूद निचले स्तर से काफी हद तक रिकवरी करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.06 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और हेल्थ केयर इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.71 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 397.81 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 400.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.51 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,037 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,914 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 113 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,607 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 601 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,006 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 76.85 अंक की मजबूती के साथ 76,073.71 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 560.68 अंक टूट कर 465.85 अंक की कमजोरी के साथ 75,531.01 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 436.38 अंक की रिकवरी करके 29.47 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 75,967.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 4.15 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 22,963.65 अंक के स्तर पर कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक मामूली उतार चढ़ाव होता रहा लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 158 अंक टूट कर 22,801.50 अंक तक गिर गया।

भारत से भिड़ने दुबई रवाना हुई पाकिस्तान की टीम

चैंपियंस ट्रॉफी

- **फखर मान की अनुपस्थिति निस्संदेह पाकिस्तान की बल्लेबाजी लाइनअप में एक खालीपन पैदा करेगी**

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले के लिए सलामी बल्लेबाज फखर जमां के बिना गुरुवार को दुबई के लिए रवाना हो गई। जमां को 19 फरवरी को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती मैच के दौरान चोट लग गई थी।

न्यूजीलैंड की पारी के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय इस 34 वर्षीय खिलाड़ी की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया और वह पारी के अधिकांश समय मैदान से बाहर रहे।

पाकिस्तान की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो जमां पारी की शुरुआत करने के लिए नहीं आए। उनकी जगह सौद शकील को सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभानी पड़ी।

जमां चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने 41 गेंद पर 24 रन बनाए। पाकिस्तान यह मैच 60 रन से हार गया था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) उचित समय पर जमां को लेकर घोषणा करेगी।

इस सलामी बल्लेबाज ने आखिरी बार भारत में 2023 विश्व कप में खेलने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान टीम में वापसी की थी। वह लंबे समय तक घुटने की चोट से भी जूझते रहे हैं।

अगर जमां अनफिट होते हैं तो उनकी जगह सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक को पाकिस्तान की टीम ने शामिल किया जा सकता है।

ओपनर फखर जमान टूर्नामेंट से बाहर, इमाम-उल-हक लेंगे जगह

कराची, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के अभियान को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि चोट के कारण स्टार ओपनर फखर जमान टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को बुधवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान के पहले मैच में फील्डिंग करते समय चोट लग गई। पीसीबी के एक करीबी सूत्र ने बताया, "फखर जमान को पाकिस्तान के चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के बाकी मैचों के लिए अनफिट माना गया है। कल रात के मैच के दौरान उनके घुटने में चोट लग गई थी। उनकी चोट के बाद स्कैन में कोई सुधार नहीं हुआ है और उन्हें बाहर कर दिया गया है। फखर के दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से बाहर होने के बाद, पाकिस्तान उनके स्थान पर इमाम-उल-हक को शामिल करने के लिए तैयार है। हाल के वर्षों में पाकिस्तान की वनडे टीम में नियमित रूप से शामिल रहे बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज के जल्द ही टीम में शामिल होने की उम्मीद है, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से आधिकारिक पुष्टि मिलने तक। सूत्र ने कहा, "इमाम उल हक पाकिस्तान टीम में फखर जमान की जगह लेंगे। इमाम-उल-हक पाकिस्तान शाहीन की टीम का हिस्सा थे, जिसने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले दो अभ्यास मैच खेले थे। फखर ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में लंदन में फाइनल में भारत के खिलाफ मैच जीतने वाली 114 रन की पारी खेलकर प्रमुखता हासिल की।

मानस धामने, अनुभवी रामकुमार, प्रज्ज्वल देव को बेंगलुरु ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के 17 वर्षीय प्रतिभाशाली मानस धामने और अनुभवी खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन और एसडी प्रज्ज्वल देव को 2025 बेंगलुरु ओपन के सिंगल्स मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई है, क्योंकि एटीपी चैलेंजर 125 इवेंट 24 फरवरी से 2 मार्च तक कब्बन पार्क में केएसएलटीए कोर्ट में अपने रोमांचक नौवें संस्करण में लौट रहा है। इस बीच, कृष त्यागी और निकी कलियंडा पूनाचा मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की करने की कोशिश में वाइल्ड कार्ड के रूप में क्वालीफाइंग राउंड में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत की सबसे होनहार युवा प्रतिभाओं में से एक धामने पिछले दो वर्षों से सर्किट पर सक्रिय हैं और हाल ही में उन्होंने ट्यूनीशिया के एम15 मोनास्टिर में अपना पहला महत्वपूर्ण खिताब जीता है। इस किशोर ने पहले ही इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है, जूनियर ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहला राउंड

मैच जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और 2023 में मुख्य ड्रॉ एटीपी टूर मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

इस बीच, प्रज्ज्वल देव और रामनाथन टूर्नामेंट में दशकों का अनुभव लेकर आए हैं। भारत की डेविस कप टीम के मुख्य खिलाड़ी रामनाथन 2009 से सर्किट पर सक्रिय हैं और बेंगलुरू ओपन के पसंदीदा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने बढ़ते ट्रॉफी कैबिनेट में तीन युगल खिताब जोड़े हैं। दूसरी ओर, प्रज्ज्वल देव ने 2015 में अपनी एटीपी रैंकिंग अर्जित की और अपने पूरे करियर में एकल और युगल दोनों में प्रतिस्पर्धा की, एक एटीपी चैलेंजर युगल और कई आईटीएफ युगल खिताब जीते, जिसमें 2024 में चार खिताब शामिल हैं।

टूर्नामेंट निदेशक सुनील यजमान ने इस अवसर पर टिप्पणी की: "बेंगलूरू ओपन ने हमेशा भारतीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और इस साल भी कुछ अलग नहीं है। मानस धामने की तेजी से प्रगति भारतीय टेनिस के लिए रोमांचक है, जबकि रामकुमार और प्रज्ज्वल देव मैदान में बहुमूल्य अनुभव लेकर आए हैं। हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि हमारे सभी वाइल्ड कार्ड प्रवेशकर्ता प्रतियोगिता में कैसा प्रदर्शन करते हैं।

संक्षिप्त

चोटिल पेनफोल्ड श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया सीरीज से हुई बाहर

वेलिंग्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड की महिला टीम की तेज गेंदबाज मौली पेनफोल्ड घुटने की चोट के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गई हैं। 23 वर्षीय पेनफोल्ड को इस महीने की शुरुआत में हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड में खेलते समय बाएं घुटने में चोट लगने के बाद उनकी सर्जरी हुई थी। चिकित्सकों के अनुसार उनकी चोट को ठीक होने में 12 सप्ताह तक का समय लग सकता है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा कि हम सभी मौली के लिए दुखी हैं। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि चोट के कारण वह तीन महीने खेल से दूर रहेंगी। समय पर ठीक होने पर वह हमारे शीतकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए फिट हो सकती है। पेनफोल्ड ने 14 एकदिवसीय में नौ विकेट तथा दस टी -20 मैचों में सात विकेट लिए हैं। पिछले दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बेसिन रिजर्व में दूसरे मैच में उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 42 रन देकर चार विकेट झटके थे।

भवानी सिंह कप में विदेशी खिलाड़ियों का दबदबा, सुजान की जीत में चमके वाटसन

जयपुर, एजेंसी। विदेशी खिलाड़ियों के दबदबे के बीच जयपुर सुजान ने 12 गोल के भवानी सिंह कप पोलो मुकाबले में डेल्टा/चांदना पोलो को 9-5 से पराजित कर दिया, वहीं अरावली पोलो ने विमल एरियन अचीवर्स के खिलाफ 9-5 से प्रभावी जीत दर्ज की। रामबाग पोलो ग्राउण्ड पर दिन के पहले मुकाबले में जयपुर सुजान की जीत के हीरो चार गोल के लांस वाटसन रहे, जिन्होंने टीम के लिए चार गोल दागे। पांच गोल के एक और विदेशी खिलाड़ी निकोलस जॉर्ज और स्थानीय हीरो पद्मनाभ सिंह ने दो-दो गोल दागे। डेल्टा/चांदना पोलो की ओर से छह गोल के सैंटियागो मरांबियो ने तीन तथा मैटियास वियाल ने एक गोल किया। दूसरे मैच में भी विदेशी खिलाड़ियों का दबदबा रहा। चार गोल के फैड्रिको बोडो ने हैट्रिक सहित छह गोल दागे, वहीं छह हैंडीकैप के मनोलो लोरेंटे ने दो गोल किए। एक गोल कुलदीप सिंह राठौड़ ने बनाया। विमल अचीवर्स के लिए चार गोल के डेनियल ओटमेंडी ने तीन, 5 गोल के बतिस्ता पनेलो ने एक गोल किया। एक गोल अभिमन्यु पाठक ने बनाया।

महिला प्रो लीग में भारत की निगाहें जर्मनी के खिलाफ मैच में उलटफेर करने पर

भुवनेश्वर, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम अब तक एफआईएच प्रो लीग के चार मैच में सिर्फ एक में जीत दर्ज कर पाई है जिससे शुक्रवार को जर्मनी के खिलाफ मैच में उसकी निगाहें उलटफेर कर अपनी किस्मत बदलने की होगी। चुनौतीपूर्ण शुरुआत के बाद भारतीय महिला टीम वापसी करने और तालिका में अपनी स्थिति सुधारने के लिए महत्वपूर्ण अंक जुटाने के लिए दृढ़ संकल्प है। सलिमा टेटे की अगुवाई वाली टीम चार मैच में चार अंक लेकर आठवें स्थान पर है। भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत इंग्लैंड पर 3-2 की रोमांचक जीत के साथ की लेकिन दूसरे मैच में इसी प्रतिद्वंद्वी से शूटआउट में 1-2 से हार गई। स्पेन के खिलाफ अपने तीसरे मैच में भारतीय टीम कड़ी टक्कर के बावजूद 3-4 से पराजित हो गई। अगले मैच में टीम को स्पेन से 0-1 से हार मिली। अब भारतीय टीम जर्मनी की चुनौती के लिए तैयार होने के साथ ही निरंतरता हासिल करने की उम्मीद करेगी। वहीं जर्मनी को भी टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश है। अब तक छह मैच में से उसने पांच गंवाये हैं। भारत की कप्तान सलीमा टेटे ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''हम जानते हैं कि आगामी मुकाबले हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। टीम ने बहुत हिम्मत दिखाई और प्रयास किये हैं, लेकिन हमें महत्वपूर्ण क्षणों में और अधिक बेहतरीन होने की जरूरत है, विशेषकर अपने मौकों को भुनाने में।''

मुंबई के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य चयनकर्ता मिलिंद रेगे का अंतिम संस्कार किया गया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई और भारत के कई पूर्व खिलाड़ियों ने मुंबई के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता मिलिंद रेगे को श्रद्धांजलि दी जिनका बृहस्पतिवार को यहां शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार किया गया। रेगे का बुधवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से शहर के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 76 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। दिलीप वेंगसरकर, संजय मांजरेकर, संजय बांगड़, किरण मोरे, अभय कुरुविला जैसे पूर्व भारतीय खिलाड़ी मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक, सचिव अभय हडप और अनुभवी प्रशासक प्रोफेसर रत्नाकर शेट्टी सहित अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद थे। बांगड़ ने मीडिया से कहा, ''उनका दिल हमेशा मुंबई क्रिकेट और उसके खिलाड़ियों के लिए धड़कता था। मैंने हमेशा उन्हें अपने वरिष्ठ के रूप में देखा है। उन्होंने चयनकर्ता, प्रबंधक या मेंटोर (मार्गदर्शक) की कई भूमिकाए निभाईं। उन्होंने मुंबई क्रिकेट में बहुत योगदान दिया। उन्होंने कहा, ''वह मेरे से रेलवे छोड़कर मुंबई के लिए खेलने का आग्रह करते थे। इससे पता चलता है कि उनके दिल में मेरे लिए अच्छी भावनाएं थीं और उन्होंने मुंबई क्रिकेट के लिए जो कुछ भी किया उसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।'' रेगे ने 76 वर्ष की आयु पूरी करने के मात्र तीन दिन बाद अंतिम सांस ली। वह 1966-67 के सत्र में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद 1977-78 के सत्र में अपने अंतिम मुकाबले तक मुंबई टीम का अभिन्न अंग बने रहे। रेगे को 26 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ा था लेकिन इसके बाद वह फिर से मैदान पर उतरे और मुंबई का नेतृत्व भी किया।

वाराणसी में भारत की जीत के लिए हवन और पूजन

वाराणसी, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में आज भारत का पहला मुकाबला बांग्लादेश से है। 2013 के बाद से यह ट्रॉफी भारत की झोली में नहीं आई है और इस सूखे को खत्म करने के लिए वाराणसी के क्रिकेट प्रेमियों ने भारत की जीत के लिए यज्ञ, हवन और पूजन किया। क्रिकेट प्रेमियों ने भारतीय क्रिकेटरों के चित्रों पर विजय तिलक लगाकर जीत की कामना की।

यज्ञ में शामिल क्रिकेट प्रेमी आलोक पांडे ने कहा कि यह हवन भारतीय टीम की विजय के लिए किया गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत ने वर्ल्ड कप 2023 जीता था, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी पर भारत की पकड़ लंबे समय से कमजोर रही है। इस हवन के माध्यम से टीम को ऊर्जा और ताकत मिलेगी ताकि वह इस बार ट्रॉफी अपने नाम कर सके।

क्रिकेट अकादमी में प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों में भी जबरदस्त उत्साह देखा गया। युवा क्रिकेटर आर्यन ने कहा कि सभी बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मैच में विराट कोहली भी शानदार प्रदर्शन करेंगे। शक्ति सिंह ने कहा कि भारतीय टीम का बैटिंग लाइनअप बेहद मजबूत है। रोहित शर्मा हाल ही में शतक जड़ चुके हैं और शुभमन गिल भी शानदार फॉर्म में हैं। उनका मानना है कि भारत यह मैच जरूर जीतेगा। क्रिकेट के गुर सीख रहे विकी ने कहा कि टीम की बॉलिंग लाइनअप काफी मजबूत हो चुकी है। रोहित शर्मा और विराट कोहली फॉर्म में आ चुके हैं और इस बार चैंपियंस ट्रॉफी भारत में जरूर आएगी।

पंकज आडवाणी ने 14वां एशियाई चैम्पियनशिप खिताब जीता

चैंपियनशिप

- **आडवाणी की जीत से उनके पुरस्कारों की सूची में एक और इजाफा हुआ**

दोहा, एजेंसी। भारतीय क्यू स्पोर्ट्स के स्टार पंकज आडवाणी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए यहां एशियाई स्नूकर चैम्पियनशिप में अभूतपूर्व 14वां स्वर्ण पदक जीत लिया।

आडवाणी ने इंदौर में राष्ट्रीय स्नूकर चैम्पियनशिप जीतने के कुछ ही दिन बाद यह खिताब हासिल किया जिससे एक बार फिर साबित हो गया कि वह देश के सबसे प्रतिष्ठित क्यू खिलाड़ी हैं।

आडवाणी की जीत से उनके पुरस्कारों की सूची में एक और इजाफा हुआ। अब उनके नाम पांच एशियाई स्नूकर खिताब (15-रेड, 6-रेड और टीम प्रारूप में) के साथ नौ एशियाई बिलियड्र्स खिताब हैं। उन्होंने एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक (2006, 2010) भी जीते हैं।

इस जीत से वह एक अभूतपूर्व उपलब्धि के और करीब पहुंच गए हैं जिसमें एक ही कैलेंडर वर्ष में राष्ट्रीय, एशियाई और विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप खिताब जीतना शामिल है। बिलियड्र्स में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद अब अगर वह स्नूकर में ऐसा कर लेंगे तो वह दोनों स्पर्धाओं में ऐसा करने वाले इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी बन जाएंगे।

ईरान के अमीर सरखोश के खिलाफ फाइनल चैम्पियन के बीच मुकाबला था। पूर्व एशियाई और विश्व आईबीएसएफ 6-रेड स्नूकर चैंपियन सरखोश ने शुरुआती बढ़त हासिल की। लेकिन दबाव में अपने संयम के लिए मशहूर आडवाणी ने शानदार तरीके से जवाब दिया। आडवाणी ने 93 और 66 के ब्रेक से मैच पर नियंत्रण कर लिया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अपनी जीत पर बात करते हुए आडवाणी ने कहा, ''14वां एशियाई खिताब जीतना बहुत ही विशेष है, खासकर स्नूकर में। यह एक कठिन टूर्नामेंट रहा है और मैं अपने संग्रह में एक और स्वर्ण जोड़कर रोमांचित हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं इस लय को आगे भी जारी रखूंगा और भारत को गौरवान्वित करता रहूंगा।

इस जीत ने क्यू स्पोर्ट्स के इतिहास में उनकी जगह को और भी मजबूत कर दिया है। चूंकि वह इस साल के अंत में होने वाली विश्व स्नूकर चैंपियनशिप पर अपनी नजरें लगाए हुए हैं। हर कोई यह देखने के लिए बेताब है कि क्या वह अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।

मुझे अक्सर संदेह होता था कि मैं फिर से खेल पाऊंगा या नहीं : शमी

चैंपियंस ट्रॉफी

- **शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे।**

दुबई, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खुलासा किया है कि 2023 में टखने की चोट से पीड़ित होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी कितनी कठिन रही है और उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा भी हुआ जब उन्हें लगा कि उन्हें देश के लिए फिर से खेलने का मौका कभी नहीं मिलेगा।

शमी को 2023 में वनडे विश्व कप के दौरान टखने में चोट लगी थी, जिसके कारण वह एक साल से अधिक समय तक खेल से बाहर रहे। वह 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की हार के बाद से देश के लिए नहीं खेले थे, जहां तेज गेंदबाज टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे।

शमी ने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में बंगाल के पांचवें दौर के मैच के माध्यम से पेशेवर क्रिकेट में सफल वापसी की, जहां उन्होंने अपनी टीम की जीत में सात विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में बंगाल की गेंदबाजी का नेतृत्व भी किया, जिसमें 11 मैचों में 7.85 की इकॉनमी रेट से नौ विकेट चटकाए, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ 3-21 रहा।

हालांकि, चोट के फिर से उभरने के कारण पेसर पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ से बाहर हो गए। लेकिन, 34 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए चार व्हाइट-बॉल मुकाबलों में भाग लेकर सफल वापसी की।

अब वह गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले मैच में देश के लिए खेलते हुए अपनी वापसी को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। "विश्व कप के दौरान शानदार फॉर्म में होने से लेकर अचानक खुद को ऑपरेटिंग टेबल पर पाना और फिर चोटिल होना वाकई बहुत कठिन था।"

शमी ने आईसीसी से कहा, "डॉक्टर से मेरा पहला सवाल था 'मुझे मैदान पर वापस आने में कितने दिन लगेंगे'। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता आपको चलाना, फिर जॉगिंग और फिर दौड़ना सिखाना है और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बारे में सोचना अभी भी एक दूर का लक्ष्य है।मैं हमेशा सोचता था कि मैं कब फिर से अपने पैर जमीन पर रख पाऊंगा, जो व्यक्ति लगातार मैदान पर दौड़ने का आदी है, वह अब बैसाखी पर है। मेरे दिमाग में बहुत सारे विचार आते थे। क्या मैं फिर से ऐसा कर पाऊंगा? क्या मैं बिना लंगड़ाए चल पाऊंगा?

उन्होंने कहा, "पहले दो महीनों में, मुझे अक्सर संदेह होता था कि क्या मैं फिर से खेल पाऊंगा क्योंकि इस तरह की चोट के बाद 14 महीने का ब्रेक आपको नीचे गिरा सकता है।" शमी ने कहा कि एक बार फिर बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा ने उन्हें दर्द की बाधा को पार करने की ताकत दी।

हाफिज ने चोटिल फखर को मौका देने के पाकिस्तान के फैसले की आलोचना की

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफ़ीज़ ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में फ़खर ज़मान को मौका देने के लिए टीम प्रबंधन की कड़ी आलोचना की है, जिसके कारण स्टार ओपनर को अब पूरे टूर्नामेंट से हटना पड़ रहा है।

न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ पाकिस्तान के ओपनर के पहले ओवर में आउटफील्ड में गेंद का पीछा करते समय फ़खर को घुटने में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि, पाकिस्तान के पीछा करने के दौरान वे वापस आ गए, लेकिन आईसीसी के नियमों के कारण उन्हें पाकिस्तान के लिए ओपनिंग करने से रोक दिया गया। इसके बजाय, उन्हें नंबर 4 पर भेजा गया, हफ़ीज़ का मानना है कि यह एक बड़ी ग़लती थी।

हफीज ने पीटीवी स्पोर्ट्स पर कहा, "आप चैंपियंस ट्रॉफी उस व्यक्ति को देते हैं जिसने फ़खर को नंबर 4 पर बल्लेबाज़ी करने के लिए भेजा। वह ठीक से दौड़ नहीं पा रहा था। यह एक लंबा मैच था, और वह दर्द में था। आप उससे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह बस वहां खड़ा रहे और हर गेंद को पार्क के बाहर मारे। वह विकेटों के बीच दौड़ने में संघर्ष कर रहा था, जिससे बाबर आजम पर और दबाव बढ़ गया।"

फखर की चोट के अलावा, हफीज ने पाकिस्तान की 60 रन की हार के दौरान बाबर के दृष्टिकोण पर भी चिंता जताई। पाकिस्तान के बाबर आज़म ने 90 गेंदों पर 64 रन बनाए, लेकिन जरूरत पड़ने पर तेजी से रन बनाने में विफल रहे।

उन्होंने कहा, "बाबर एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके नाम लगभग 18,000 से 20,000 अंतरराष्ट्रीय रन हैं, लेकिन आज उनका इरादा क्या था?

सलाह

महेंद्र सिंह धोनी अपने नए ऐप के लॉन्च पर कुछ अलग अंदाज में नजर आए

माफ करो और आगे बढ़े, हर चीज के बारे में चिंता नहीं कर सकते : धोनी

मुंबई, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने तनाव मुक्त जीवन जीने के अपने रहस्यों को साझा करते हुए कहा कि भले ही ऐसा करना कठिन हो लेकिन माफ करके आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्होंने साथ ही खुद को एक लापरवाह व्यक्ति बताया जो अपनी रात की नींद इस बात पर ध्यान देकर खराब नहीं करता कि अन्य लोग उनके बारे में क्या सोच रहे हैं।

अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में भारत को दो विश्व कप खिताब दिलाने वाले 43 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी को खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने मैदान पर अपने शांत और एकाग्र दृष्टिकोण से एक नेतृत्वकर्ता के लिए उच्च मानक

स्थापित किए हैं।

वह अब जब चेन्नई सुपर किंग्स के साथ एक खिलाड़ी के रूप में संभवतः अपने आखिरी आईपीएल सत्र में खेलने की तैयारी कर रहे हैं तो यहां एक कार्यक्रम में जब उन्हें अपने प्रशंसकों को सलाह देने के लिए कहा गया तो वह दार्शनिक हो गए। अपनी ऐप 'धोनी' के लॉन्च के दौरान इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने बुधवार शाम कहा, ''मेरा मानना है कि जीवन को सरल बनाए रखें। खुद के प्रति ईमानदार रहें, लोगों के प्रति कृतज्ञता रखें, जो कुछ भी वे आपके लिए कर रहे हैं। हमेशा यह नहीं सोचें कि 'यह मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' और अधिक की मांग करें।'' इस दौरान भारत के चोटिल विकेटकीपर बल्लेबाजी संजू सैमसन भी मौजूद थे।

धोनी ने कहा, ''मुझे पता है कि पूरा ऐप (धोनी) कहता है 'थोड़ा और', लेकिन पूरी बात कृतज्ञता रखने, धन्यवाद कहने, बड़ों का सम्मान करने (और) छोटों को प्यार देने की है।'' इसके बाद धोनी ने क्षमा करने की प्रवृत्ति पर जोर दिया जो उन्हें लगता है कि लोगों में अभी कम है। धोनी ने कहा, ''मुझे हमेशा लगता है कि आपके चेहरे पर मुस्कान होने से आधी समस्या हल हो जाती है। भले ही आप आरामदायक स्थिति में नहीं हों, भले ही ऐसा करना कठिन हो, लेकिन क्षमा करने की शक्ति होनी चाहिए। यह एक ऐसी चीज है जो हमारे में से बहुत से लोगों के पास नहीं है।''

धोनी ने कभी भी किसी के द्वारा उन पर किए गए व्यक्तिगत हमलों का जवाब नहीं दिया जिनमें पूर्व साथी या आलोचक भी शामिल हैं, जिनमें से कुछ ने तो उन पर करियर को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, ''हम बहुत बदला लेने वाले लोग बन गए हैं। इसने मुझे ऐसा बोला, मैंने ऐसा बोला।बस माफ कर दो, आगे बढ़ो, जीवन में खुश रहो, क्योंकि हम जो भी करते हैं।जब हम बड़े हो रहे थे तो हम हमेशा जीवन में खुश रहना चाहते थे।

धोनी ने कहा कि कुछ चीजों के प्रति लापरवाह होना दिन-प्रतिदिन के जीवन के दबाव को संतुलित करने में मदद करता है। उन्होंने कहा, ''हम सभी दबाव महसूस करते हैं। हमें हमेशा लगता है कि उसका जीवन बेहतर है लेकिन जो महत्वपूर्ण है वह यह है कि आप उस तनाव का प्रबंधन कैसे करते हैं, आप कितने तैयार हैं।धोनी ने कहा, ''मैं इसे बहुत सरल रखता हूं। बड़े होते हुए हमें बताया गया था कि 'आप लापरवाह नहीं हो सकते'। लेकिन मुझे लगता है कि आज के माहौल में थोड़ा लापरवाह होना महत्वपूर्ण है क्योंकि आप अपने आस-पास होने वाली हर चीज के बारे में चिंता नहीं कर सकते।

विनीत कुमार सिंह ने बताया कवि कलश के रूप में एक योद्धा की भूमिका के लिए कैसे तैयारी की

छावा रिलीज हो गई है। इस ऐतिहासिक फिल्म में हैरान करने वाला तत्व अभिनेता विनीत कुमार सिंह हैं, जिन्होंने राजे के करीबी विश्वासपात्र चंदोगामात्य कवि कलश की भूमिका निभाई है। चंदोगामात्य, जैसा कि संभाजी महाराज ने भी पूरी फिल्म में उन्हें प्यार से संबोधित किया है, उन्होंने हर कदम पर साबित किया कि वे स्वराज के प्रति वफादार थे। जहां तक यह भूमिका निभाने वाले विनीत की बात है, तो उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने और बाकी कलाकारों ने फिल्म में प्रतिष्ठित मराठा योद्धाओं की भूमिका निभाने के लिए कितनी कठिन मेहनत की थी।

विनीत ने खुलासा किया, मैंने छावा के लिए व्यापक तैयारी की। और यह लगभग 11 महीने तक चली। उस समय, हमें पूरी तरह से प्रशिक्षित किया गया था कि मराठा योद्धा की बारीकियों को कैसे अपनाया जाए। मैंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, लाठी चलाना और भाला चलाना आदि सीखा और ये प्रशिक्षण अवधि भी फिल्म की शूटिंग के साथ मेल खाती थी। अब आप कह सकते हैं कि मैं शास्त्र विद्या में थोड़ा प्रशिक्षित हूं। मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। मुझे ये अवसर देने के लिए फिल्मों को धन्यवाद। लक्ष्मण उतेकर सर और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद। काम के मोर्चे पर, विनीत जल्द ही सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में नज़र आएंगे, जहां वह एक भावुक लेखक की भूमिका निभाएंगे। 28 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार, रीमा कागती निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इसके बाद उनके पास जाट है, जिसके लिए वह फिलहाल शूटिंग कर रहे हैं।

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है

निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' के पोस्टर में सुट्ठा मारती नजर आईं अभिनेत्री कृति सेनन का अभिनय फिल्म दर फिल्म निखरा है। वह मानती हैं कि उन्हें हिंदी सिनेमा की दमदार अभिनेत्रियों से काफी कुछ सीखने को मिला है। हाल ही में कृति सेनन से साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं।

डिंपल मैम के रंग बिरंगे चश्मे

मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी।

करीना का करिश्मा

करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं।

तब्बू मैम का ताव

तब्बू मैम का ताव हिंदी सिनेमा में सबसे अनोखा है। उनके किरदारों की पूरी एक फेहरिस्त मेरे पास है जिनको मौका मिले तो मैं तुरंत करना चाहूंगी। वह अपने अभिनय की आशुकवि हैं। उनके दिमाग में न जाने कहां से वह सब कैमरा ऑन होते ही आ जाता है। उनके चेहरे की एक मुस्कुराहट पूरे सीन का भाव बदल देती है।

काजोल की कलाकारी

काजोल मैम के साथ मैंने पहले फिल्म 'दिलवाले' की थी और फिर 'दो पत्ती'।

इतने साल अभिनय करने के बाद भी वह हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर करने के लिए एक न्यूकमर की तरह लालायित दिखती हैं। अभिनय के प्रति उनका ये समर्पण अक्सर मुझे शाहरुख (खान) सर की याद दिलाता है।

स्टार किड्स से बेहतर काम कर रहे हैं बाहरी कलाकार

साल 2016 में आई फिल्म सनम तेरी कसम को सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर आई नई फिल्मों से ज्यादा फैंस का प्यार मिल रहा है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म को देख फैंस की मांग बढ़ गई है कि अभिनेता को बड़ी फिल्मों में कास्ट किया जाए। हर्षवर्धन राणे इन दिनों इंडस्ट्री में स्ट्रगल कर रहे हैं।

चर्चा से ज्यादा है काम पर विश्वास

बातचीत में हर्षवर्धन ने बताया कि कैसे उन्हें इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद से परेशानी है। हर्षवर्धन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं उन लोगों में से हूं जो अपने आस-पास चल रही आवाजों से ज्यादा काम करने में विश्वास करता हूं। कहा जाता है कि स्टार किड्स को बेहतर काम मिला है, लेकिन जब मैं लिस्ट देखता हूं, तो इसमें से कुछ लोग पहले ही अपने काम से हट चुके हैं।

बाहर से आए लोग कर रहे बेहतर काम

हर्षवर्धन राणे ने कहा कि स्टार किड्स से ज्यादा इंडस्ट्री के लोग बेहतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी सफलता पर नजर क्यों नहीं डालते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से ही नहीं अगर हमें किसी भी चीज पर संशय हो तो हमें उसके नोट्स बनाकर रख लेने चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है।

बाहरी कलाकार कर रहे हैं अच्छा काम

हर्षवर्धन ने कहा, मैं कहता हूं कि स्टार किड्स से ज्यादा बाहर से आए लोग बेहतर काम कर रहे हैं। स्टार किड्स को इंडस्ट्री बाहर से आए कलाकारों से कम ही काम मिल रहा है। इंडस्ट्री से कोई ताल्लुक न रखने वाले कलाकार ही बेहतर काम कर रहे हैं।

प्रोड्यूसर का मिला प्यार

अभिनेता ने इस बातचीत में कहा कि मैं चाहता हूं कि इंडस्ट्री मुझ पर विश्वास करे। सनम तेरी कसम फिल्म को लेकर हर्षवर्धन ने कहा, मुझे उन्होंने एक बेहतर कहानी दी, जिसे मैंने बहुत अच्छे तरीके से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। मैं आखिरी में प्रोड्यूसर को खुश देखना चाहता हूं। उन्होंने मुझे जोर से गले लगा लिया था, जब ये फिल्म रिलीज हुई थी। मुझे फिल्म के कारण बहुत सारे फैंस का प्यार भी मिला है, जो मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।

कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का गाना खुद गाया और लिखा है?

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी कावेरी कपूर के लिए हमेशा खास रहेगी। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है, बल्कि इसलिए कि उन्होंने फिल्म के लिए एक खूबसूरत गाना गाया और कंपोज किया। फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने एक खूबसूरत धुन है, जो जीवन के उस उथल-पुथल में खुद को खोजने के बारे में है, जो कभी-कभी जीवन बन जाता है। यह इस के बारे में है कि जीवन के घटित होने के बाद जीवन का क्या अर्थ है। यह आगे बढ़ने के बारे में है चाहे कुछ भी हो। और जो चीज़ गाने के पीछे के अर्थ की सुंदरता में जान डाल देती है, वह है कावेरी की भावपूर्ण आवाज़। यह गाना कैसे बना, इस बारे में बात करते हुए कावेरी ने बताया कि जब वह केवल 15 साल की थीं, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। यह उन्होंने एक याद के रूप में लिखा था। लेकिन जैसे गाने में बताया गया है, कावेरी का जीवन और उनके प्लान उस समय बदल गए जब उन्हें बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का प्रस्ताव मिला और कुछ बदलावों के बाद इसे फिल्म के साउंडट्रैक में इस गाने को शामिल किया गया। कावेरी ने कहा, यह गाना कभी भी हिंदी गाना नहीं था और मेरी इसे किसी फिल्म में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी। जब मैं 15 साल की थी तब मैंने यह गाना बनाया और लिखा था। लेकिन जब फिल्म बनी और कुणाल कोहली और निर्माता मोहन नादर ने इसे सुना, तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने मुझसे इसे शामिल करने के लिए कहा। गाना, जिसे दरअसल पहले ए.आर. रहमान और कावेरी ने अंग्रेज़ी में रिकॉर्ड किया था। गीतकार प्रसून जोशी द्वारा केवल दो दिनों में हिंदी में फिर से तैयार की गई और ए. आर. रहमान द्वारा निर्मित की गई, जिसमें मूल रचना और गायन का श्रेय स्वयं कावेरी को दिया गया।

स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती

पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार इन दिनों अपने नए गाने 'कह दो ना' को लेकर चर्चा में हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने में उनके साथ मनप्रीत कौर भी हैं। अब जीतेंद्र ने गाने और अपने इंडस्ट्री के सफर के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि फिल्ममेकिंग में राइटिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती है।

गाने की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

जब मैंने पहली बार गाना सुना, तो मुझे यह नहीं पता था कि इसे किसने बनाया है। लेकिन रेखा मैम (रेखा भारद्वाज) की आवाज ने मुझे आकर्षित किया। जब मैं क्रिएटिव टीम से मिला और उन्होंने जिस तरीके से ब्रीफ किया मुझे बहुत अच्छा लगा। शूटिंग के दौरान, जब भी मस्ती और मजाक का मौका मिलता, हम इसका आनंद लेते थे और इस दौरान कुछ नई दोस्तियां भी बनीं।

आप अपनी जर्नी को किस तरह से देखते हैं?

मेरी जर्नी काफी रोचक रही है। मुझे बहुत अच्छे मौके मिले और मैं कई दिलचस्प किरदारों का हिस्सा बना। मुझे खुशी है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बना जो अलग और यूनिक थीं। मैं चाहता हूं कि मैं और भी नई कहानियां और किरदार करूं, जो लोगों ने पहले नहीं देखे हों।

अब राइटिंग के काम को किस तरफ से देखते हैं?

फिल्ममेकिंग में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राइटिंग है। वही लोग जो फिल्म बना रहे हैं, उन्हें पता होता है कि क्या होने वाला है, कौन से किरदार होंगे और स्क्रीन पर क्या दिखाई देगा। राइटर और डायरेक्टर की कल्पना बहुत जरूरी है। अब एक्टर्स भी अच्छे राइटर्स के साथ काम करना चाहते हैं क्योंकि अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो बाकी सारी चीजें सेकेंडरी हो जाती हैं। इसलिए राइटिंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

ओटीटी कैसा प्लेटफॉर्म है?

7-8 साल पहले जो साधारण कंटेंट था, वह अब बदल चुका है। अब लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बहुत तरह के कंटेंट देख रहे हैं, जो रोमांटिक, थ्रिलर और फैंटेसी जैसी शैलियों में होते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने फिल्म मेकर्स को ज्यादा स्वतंत्रता दी है, जिससे वे अपना कंटेंट ज्यादा प्रयोगात्मक तरीके से बना सकते हैं। अगर कंटेंट अच्छा होता है, तो लोग उसे पसंद करते हैं और यह हिट हो जाता है।

डिसएग्रीमेंट्स को कैसे हैंडल करते हैं?

ऐसी स्थितियां आती हैं जब डिसएग्रीमेंट्स होते हैं और उस समय लगता है कि सबसे बुरा हो गया है। कई बार यह निगेटिव एनर्जी देती है और आगे बढ़ने में रुकावट डालती है। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में हमें कुछ भी दिल पर नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। किसी के साथ बिना कुछ कहे अगर आप कुछ रखते हैं, तो वह सिर्फ आपका नुकसान है। इसलिए, हमेशा खुलकर अपनी बात कहनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

बजट की वजह से ऋतिक की कृष 4 में हो रही देरी

ऋतिक रोशन की फिल्म कृष भारतीय सिनेमा की सबसे सफल फ्रेंचाइज फिल्मों में से एक है। अब इसका चौथा पार्ट आने वाला है। राकेश रोशन ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने फिल्म स्केल और बजट को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा... मुझे पता है कि लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब तक किसी तरह फिल्म के बजट को सही तरीके से तय नहीं कर पाए हैं। यह फिल्म लार्ज स्केल पर बननी है। अब अगर मैं बजट को कम करने के लिए इसके स्केल को कम करता हूं, तो यह एक साधारण फिल्म की तरह लगती है। अब दुनिया छोटी हो गई है। इन दिनों, बच्चों को कई तरह की सुपरहीरो फिल्में दिखाई जा रही हैं। ऐसे में छोटी से छोटी गलती भी पकड़ में आ जाएगी और उसकी आलोचना होगी।

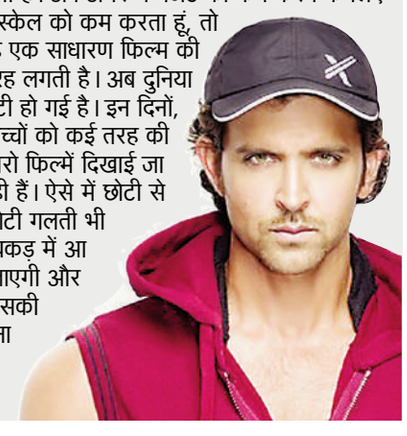

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401